CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186

राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित

Tital Code:RAJHIN27921

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com मो.7014373732

वर्ष: 01 | अंक: 343 | जयपुर | 31 जुलाई 2023 | सोमवार | मूल्य: रु. 5 | पृष्ठ: 04

पाकिस्तान में आतंकी हमले में 35 लोगों की मौत

पेशावर. पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य के बाजौर में रविवार को एक पॉलिटिकल रैली में ब्लास्ट हुआ। पुलिस ने इसे आतंकी हमला बताया है। 35 लोगों की मौत हो चुकी है और 200 लोग घायल हैं। घटना बाजौर की खार तहसील की है। यहां सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल जमीयत उलेमा इस्लाम फजल की रैली चल रही थी। इस रैली को जेयूआई-एफ के सीनियर लीडर हाफिज हमदुल्लाह संबोधित करने वाले थे, लेकिन वो किसी वजह से यहां पहुंच नहीं सके। बाद में मीडिया से बातचीत में हाफिज ने कहा हमारे करीब 35 कार्यकर्ता इस ब्लास्ट में मारे गए हैं। मैं इस घटना की निंदा करता हूं। हमारे हौसले इस तरह के हमलों से कम नहीं होंगे। हाफिज ने आगे कहा- इस तरह के हमले पहले भी होते रहे हैं। इनकी गहराई से जांच होनी चाहिए। हमें तो किसी तरह की सिक्योरिटी भी मुहैया नहीं कराई जाती। हम इस मसले को संसद में उठाएंगे। पुलिस के मुताबिक ब्लास्ट शाम करीब 4.30 बजे हुआ। इस वक्त रैली में काफी लोग मौजूद थे। माना जा रहा है कि हमलावर पार्टी समर्थकों के बीच ही मौजूद था। इसलिए इसे फिदायीन हमला माना जा रहा है। जेयूआई-एफ के चीफ मौलाना फजल ने घटना के बाद प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से बातचीत की और उन्हें तफ्सील से जानकारी दी। सरकार ने घटना की जांच के आदेश भी दे दिए हैं। फजल ने समर्थकों से कहा आप लोग फौरन अस्पताल पहुंचें और घायलों को खून मुहैया कराएं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी के मुताबिक यह हमला मुल्क को कमजोर करने की एक और साजिश है। सरकार आतंकियों से निपटने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

मुसलमानों को टिकट देने पर विचार कर रही बीजेपी:सतीश पूनिया

जयपुर. बीजेपी उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने कहा- इस बार विधानसभा चुनावों में मुसलमानों को टिकट देने पर विचार किया जाएगा। बीजेपी में जीतने योग्य व सक्षम लोग हैं। पार्टी हर व्यक्ति को जाति-धर्म से ऊपर उठकर मौका देती है। पूनिया रविवार को बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष हमीद खान मेवाती के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत करने प्रदेश बीजेपी मुख्यालय पहुंचे थे। सतीश पूनिया ने कहा- मुझे लगता है कि पार्टी अल्पसंख्यक वर्ग को टिकट देने पर विचार करेगी। हालांकि अंतिम निर्णय पार्टी का संसदीय बोर्ड करेगा। कांग्रेस ने हमेशा मुसलमानों को वोट बैंक की तरह यूज किया है। केंद्र सरकार की ओर से जो भी योजनाएं आईं। उसका फायदा अल्पसंख्यकों को भी मिला है। लोग कहते थे राम मंदिर बन जाएगा। कश्मीर में धारा 370 हट जाएगी तो ऐसा हो जाएगा वैसा हो जाएगा। आज कश्मीर में पर्यटन बढ़ने से वहां के मुसलमान के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उसकी जीवन शैली में बदलाव आया है। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने कहा प्रदेश की करीब 40 सीटों पर अल्पसंख्यक समुदाय अपना प्रभाव रखता है। हम पार्टी फोरम व केन्द्रीय नेतृत्व के सामने अपनी मांग रखेंगे। जिस तरह से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबका साथ सबका विकास की बात करते हैं। हमें विश्वास है कि राजस्थान में भी पार्टी अल्पसंख्यक समाज के लोगों को अच्छी तादाद में टिकट देने का का काम करेगी। बीजेपी मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी व संगठन महामंत्री चंद्रशेखर को नव नियुक्त अध्यक्ष हमीद खान मेवाती को शपथ दिलानी थी। दोनों ने मोर्चे के कार्यक्रम से दूरी बनाकर रखी। सीपी जोशी जयपुर में और चंद्रशेखर बीजेपी मुख्यालय में ही मौजूद थे। इसे लेकर हमीद खान मेवाती ने कहा- सीपी जोशी किसी कार्यक्रम में गए हुए हैं। संगठन महामंत्री चंद्रशेखर इस तरह के कार्यक्रमों में कम ही आते हैं।

राजस्थान की राजनीति में मुझे पहले भी बहुत संघर्ष करना पड़ा और वो संघर्ष आज भी कम नहीं:राजे

जयपुर। पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने कहा है कि दुनिया में सबसे बड़ा संविधान भारत का है,जिसमें महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार दिए गए हैं।इसके बाबजूद महिलाओं को अपने ही अधिकारों के लिए लड़ना पड़ रहा है।आज भी उनकी जिंदगी से जुड़े अहम फैसले पुरुष ही ले रहे हैं।उन्होंने कहा कि मैं जब राजस्थान की राजनीति में आई तब मुझे भी बहुत संघर्ष करना पड़ा,जो आज भी कम नहीं हुआ है।अगर मैं डर जाती तो यहाँ तक नहीं पहुँचती।पूर्व सीएम ने कहा कि नारी जब साधना के साथ संकल्प ले लेती है तो पहाड़ों को भी हिला कर रख देती है। उन्होंने 3 तलाक से राहत दिलाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।श्रीमती राजे इनाया फाउंडेशन की ओर से आयोजित ह्यवूमन ऑफ वंडर अवार्ड-2023ह्न के अवसर पर बोल रही थी।उन्होंने 28 महिलाओं को सम्मानित किया और कहा कि भले ही महिलायें खुश हो लें कि आजादी के 75 सालों में महिलाएँ अंतरिक्ष पर पहुँच गई।फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं।ओलंपिक में पदक जीत रही हैं।राष्ट्रपति बनकर देश की बागडोर

संभाल रही हैं।चंद्रयान-3 लैंडिंग की ज़िम्मेदारी ह्यरॉकेट वुमनह्न ऋतु करिधाल को सौंपी गई है,पर यह संख्या महिलाओं की आबादी का अंश मात्र है। श्रीमती राजे ने कहा कि महिलाओं का प्रतिनिधित्व लोकसभा में 15,राज्यसभा में 14 और राजस्थान विधानसभा में साढ़े 13 प्रतिशत है,जो बेहद कम है।जबकि साइकिल के दोनो पहियों की तरह समाज का संतुलन पुरुष और महिला पर टिका है जिनकी बराबर भागीदारी से ही देश विकसित होता है।उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू,लता मंगेशकर और अवनी लेखरा का उदाहरण भी दिया,जिन्होंने शिक्षा,संघर्ष,मेहनत और कामयाबी की ललक से सफलता अर्जित की।

पूर्व सीएम ने इस अवसर पर एक शेर भी पढ़ा,

बिजली जब चमकती है,आकाश बदल देती है,
आँधी जब धमकती है,दिन-रात बदल देती है.!!
धरती जब दरकती है सीमांत बदल देती है,
और नारी जब गरजती है तो इतिहास बदल देती है..!!

मां ने अपने 14 साल के बेटे की हत्या की

उदयपुर। उदयपुर में एक महिला ने अपने 14 साल के बेटे की हत्या कर दी। उसी ने पुलिस कंट्रोल रूम फोन कर इसकी जानकारी दी। हिरासत में लेकर आरम्भिक पूछताछ के बाद पुलिस का कहना है कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। मामला उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र का है। थाना क्षेत्र के सहेली नगर इलाके में रहने वाली मनीषा (37) ने अपने 14 साल के बेटे पुरंजय पारीख की हत्या कर दी। रविवार सुबह करीब 6.30 बजे कपड़े सुखाने वाली रस्सी से उसका गला घोंट दिया। मामले में अंबामाता थानाधिकारी हनुवंत सिंह राजपुरोहित का कहना है कि घटना सुबह 6.30 बजे के करीब की है। पुरंजय सो रहा था। मनीषा ने सिरहाने से आकर पुरंजय के गले में कपड़ा सुखाने वाली रस्सी डाल दी। बेटे ने 3 से 4 मिनट तक संघर्ष किया, लेकिन छूट नहीं सका और उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद मनीषा ने ही करीब 7 बजे

पुलिस कंट्रोल रूम को फोन किया। उसने खुद बताया कि वह अपने बेटे को मार चुकी है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाया। हत्या के कारण को लेकर परिवार वालों से पूछताछ की गई। इसमें किसी भी प्रकार के झगड़े या विवाद की बात सामने नहीं आई। परिवार वालों का कहना है कि मनीषा मानसिक रूप से बीमार है। उसका 2018 से इलाज चल रहा है। सम्भवतः गुस्से में आकर उसने बेटे की हत्या कर दी है। पुलिस ने मेडिकल दस्तावेजों को भी जांच के दायरे में रखा है। पुलिस के अनुसार मृतक के पिता दीपक पारीख (44) की इलेक्ट्रॉनिक्स की शॉप है, वे घटना के समय मॉर्निंग वॉक पर गए थे। मनीषा ने पति दीपक को मॉर्निंग वॉक से वापस आते वक्त सब्जी लाने के लिए फोन भी किया था। ग्राउंड फ्लोर पर दादा, दादी और फर्स्ट फ्लोर पर दीपक पारीख का परिवार रहता है। घटना के वक्त ग्राउंड फ्लोर पर दादा, दादी और ताऊजी थे। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो नीचे रहने वाले परिजनों को भनक तक नहीं थी। जब उनसे मनीषा के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि वह बेटे के साथ ऊपर वाले फ्लोर पर है। इस दौरान जब दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया तो अंदर से कोई हलचल नहीं हुई। इसके बाद पुलिस बाहर की तरफ से सीढ़ियां लगाकर बालकनी जरिये फर्स्ट फ्लोर पर पहुंची और दरवाजा खुलवाया। आस पड़ोस में रहने वालों ने बताया कि 3 दिन पहले 27 जुलाई को पारीख परिवार ने पुरंजय का बर्थडे मनाया था। आसपास के लोगों का कहना है कि मनीषा अक्सर बाहर दिखती थी, परंतु बीमार कभी नहीं लगी।

राजस्थान को मिला बेस्ट कल्चरल टूरिज्म डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर अवार्ड

जयपुर। अपनी कला संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और पर्यटन के लिए विशेष पहचान रखने वाले राजस्थान को एक और पुरस्कार से नवाजा गया है। बेंगलुरु में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट समारोह में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे पर्यटन विभाग को बेस्ट कल्चरल टूरिज्म डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए चुना गया है। इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट बेंगलुरु में आयोजित इस समारोह में पर्यटन विभाग की तरफ से अतिरिक्त निदेशक आनंद कुमार त्रिपाठी ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। इस आयोजन में राजस्थान पर्यटन के पवेलियन में राज्य की 14 ट्रैवल एजेंसीज और होटलियर्स ने भाग लिया। राजस्थान पर्यटन दल द्वारा एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र में उठाए गए कदमों, नवीन योजनाओं की जानकारी और पर्यटन प्रचार फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही पवेलियन में पधारे स्थानीय ट्रैवल एजेंटों और आम जन को राजस्थान के पर्यटन स्थलों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट बेंगलुरु में राजस्थान पर्यटन के पवेलियन में मुख्य अतिथि कर्नाटक सरकार के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच. के.पाटिल का पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक आनंद कुमार त्रिपाठी ने स्वागत किया। इस दौरान राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया ताजिया, 3 की मौत

धौलपुर। धौलपुर में मोहर्रम के दूसरे दिन रविवार को ताजियों के जुलूस के दौरान बिजली का करंट लगने के तीनों मृतकों तथा घायलों को आर्थिक सहायता मिलेगी। इसके साथ ही पूरे प्रकरण में प्रथम लापरवाही मानते हुए बिजली निगम के जेई सहित दो कार्मिक तथा दो पुलिस कांस्टेबलों को निलंबित किया गया है। कोतवाली में मृतकों के परिजनों से संवाद करने के बाद में मीडिया से वार्ता करते हुए डीएम अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि मोहर्रम के दौरान यह हादसा दर्दनाक है। संकट की इस घडी में प्रशासन और सरकार मृतकों के परिवार के साथ है। बिजली निगम के प्रावधानों के मुताबिक मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता दो दिन में उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही सरकार की फ्लेगशिप योजनाओं के माध्यम से भी मृतकों के

परिजनों को लाभान्वित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रावधान होने पर सरकार से वार्ता करके मृतक के परिवारों के एक व्यक्ति को नौकरी देने के भी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बिजली निगम की प्रथम दृष्टया लापरवाही को देखते हुए बिजली निगम के एक कनिष्ठ अभियंता एवं लाइनमैन को निलंबित किया गया है। इसके साथ ही डयूटी पर तैनात दो कांस्टेबलों को भी निलंबित किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मृतकों के परिजनों का आरोप है कि दो पुलिस कर्मियों ने उचित व्यवहार नहीं किया। जिसके चलते दोंनों को निलंबित किया गया है। पूर्व विधायक अब्दुल सगीर खान ने बताया कि तीन बच्चों की दर्दनाक मौत होना एक ह्रदयविदारक घटना है। प्रशासन ने ताजिए निकालने में जल्दबाजी दिखाई। ताजिया बडा था, डंडे फटकारे। ताजिया भगा हुआ था,जिससे करंट फैल गया और यह हादसा हुआ।

विवाहिता दो पुत्रियों के साथ पानी के हौद में डूबी

नागौर। डीडवाना थाना क्षेत्र के पावटा की ढाणी में रविवार को एक विवाहिता ने अपनी दो पुत्रियों के साथ अपनी ननद के घर में बने पानी के हौद में कूदकर जान दे दी। मृतका दीपाली (28) महाराष्ट्र के किसी गांव की रहने वाली है। मृतका की शादी करीब पांच साल पहले नागौर जिले के धनकोली गांव निवासी हीरालाल के साथ हुई थी। धनकोली मृतका का ससुराल है। शादी के बाद पावटा की ढाणी में अपनी ननद मंजू के यहां कई वर्षों से रह रही थी। पुलिस के अनुसार रविवार की सुबह उन्हें सूचना मिली कि एक महिला ने पानी के हौद में कूदकर आत्महत्या कर ली है। मृतका ने घर में बने हौद में अपनी दो पुत्रियों पिंकी (2) व अंकिता (3) के साथ कूद कर आत्महत्या की। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को डीडवाना के बांगड़ राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतका के पीहर पक्ष को सूचना दी गई है, पीहर पक्ष के लोगों के आने के बाद शवों का पोस्टमार्टम किया जाएगा। फिलहाल पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है। डीडवाना थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि पावटा की ढाणी में एक महिला ने दो बच्चियों के साथ आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा जानकारी जुटाई। दीपाली मूल रूप से महाराष्ट्र की रहने वाली थी, जिसकी शादी धनकोली निवासी हीरालाल के साथ हुई और दोनों पावटा की ढाणी रिश्तेदार के यहां रहते थे। रविवार को जब घर में कोई नहीं था, तब उसने दो पुत्रियों के साथ हौद में कूदकर आत्महत्या की। मामले की जांच की जा रही है।

कार्यक्रम में सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे

2422 करोड़ की लागत से 1514 राजस्व गांवों को सड़कों से जोड़ने के कार्यों का शिलान्यास

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर 2422 करोड़ की लागत से 1514 राजस्व गांवों को सड़कों से जोड़ने के कार्यों का शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम में सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 12 बजे वर्चुअली किया जाएगा इसमें संबंधित ग्राम पंचायत स्तर तक के कार्यालय ऑनलाइन जुड़ेंगे। गालरिया ने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रदेश के गांव-ढाणियों तक विकास की राह को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य के गांवों को नवीन सड़कों से जोड़ने की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में वर्ष 2011 की जनगणनानुसार सामान्य क्षेत्रों में 350 व अधिक आबादी तथा जनजातीय एवं मरुस्थलीय क्षेत्रों में 250 से अधिक आबादी के 778 राजस्व गांवों को 1192 करोड़ की लागत से एवं जनगणना वर्ष 2011 के पश्चात घोषित सामान्य क्षेत्रों में 500 व

अधिक आबादी तथा जनजातीय एवं मरुस्थलीय क्षेत्रों में 250 से अधिक आबादी के 736 राजस्व गांवों को 1230 करोड़ की लागत से सड़कों से जोड़ने के कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि इन गांवों को नवीन डामर सड़कों से जोड़ा जाएगा जिससे इन गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन आदि सुविधाएं मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी फसलों को मंडियों तक पहुंचाना आसान हो पाएगा, उनकी परिवहन लागत कम होगी जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। गालरिया ने कहा कि विभाग द्वारा इन कार्यों को गुणवत्ता मानकों के अनुसार पूरा किया जाएगा जिससे गांवों से शहरों की दूरी कम होगी और गांवों में उद्योगों का विकास होगा व नए रोजगार सृजित होंगे। राज्य के ग्रामीण, जनजातीय एवं मरुस्थलीय क्षेत्रों में विकास के उद्देश्य से बांसवाड़ा में 35, बाड़मेर में 827, जैसलमेर में 74, जोधपुर में 250, जयपुर में 5, उदयपुर में 100, टोंक में 21, डूंगरपुर में 21 आदि कुल 1514 राजस्व गांवों को नवीन सड़कों से जोड़ने के कार्यों का शिलान्यास मुख्यमंत्री द्वारा किया जायेगा

सम्पादकीय

अविश्वास प्रस्ताव लाकर विपक्ष ने ऐसी बॉल फेंकी है जिस पर मोदी छक्का लगा देंगे

यह पूरे देश की जनता को मालूम है कि इस अविश्वास प्रस्ताव से मोदी सरकार को कोई खतरा नहीं है क्योंकि इसके पास अपने बूते पर सदन में जबर्दस्त बहुमत है और 538 की वर्तमान सदस्य संख्या वाली लोकसभा में भाजपा व इसके सहयोगी दलों के 332 सांसद हैं।विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंसह्ण (इंडिया) ने मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का निर्णय लेकर अपनी राजनीतिक अपरिपक्वता, नासमझी एवं विवेकहीनता का ही परिचय दिया है, यह प्रस्ताव स्वीकार भी हो गया। अब प्रतीक्षा है उस पर बहस की। आइएनडीआइए भले ही अविश्वास प्रस्ताव को अपनी जीत समझ रहा हो और यह मानकर चल रहा हो कि उसे संसद में अपनी एकजुटता एवं ताकत दिखाने का अवसर मिलेगा, लेकिन एक तो इस प्रस्ताव का गिरना तय है, दूसरा विपक्षी एकता एवं शक्ति के दावे भी खोखले साबित होने है। जब प्रस्ताव का गिरना पहले से ही तय है तो क्यों विपक्ष अपनी किरकिरी कराने पर तुला है। विपक्षी दलों का मणिपुर पर प्रधानमंत्री के वक्तव्य की अपनी मांग पर अड़े रहना भी हास्यास्पद है। क्योंकि प्रधानमंत्री ने पहले ही मणिपुर के हालात पर क्षोभ व्यक्त करते हुए संसद भवन परिसर में कहा था कि यह घटना किसी भी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली है और इससे पूरे देश की बेइज्जती हुई है। बावजूद विपक्ष की जिद्द इसलिये भी बचकानी एवं बेहूदी कही जायेगी क्योंकि कोई भी मामला जिस मंत्रालय से संबंधित होता है, उसके ही मंत्री को उस पर वक्तव्य देना होता है।सोचने वाली बात है कि विपक्ष यदि वास्तव में मणिपुर पर दुःखी होता तो चार दिन संसद का काम रोक कर न तो नारेबाजी और न हठधर्मिता में अपनी ऊर्जा खपा रहा होता और न ही गृह मंत्री को सुनने से इन्कार कर रहा होता। विपक्षी दलों की चिंता मात्र एक दिखावा ही अधिक प्रतीत हुई है। विपक्ष का चेहरा जनता के सामने बेनकाब हुआ है, जो कुछ बाकी रहा है प्रधानमंत्री अविश्वास प्रस्ताव पर अपने वक्तव्य में उसे उघाड़ देंगे, इस नए गठबंधन की कथित एकजुटता की पोल भी खोल ही देंगे और उसकी आपसी खींचतान को भी उजागर कर ही देंगे। विपक्षी गठन इंडिया के गठन के बाद वे कितने राजनीतिक रूप से शक्तिशाली हुए हैं और प्रधानमंत्री को चुनौती देने की स्थिति कितने सक्षम बने हैं, इन स्थितियों का भी पदार्पाश होगा।

चुनावी सर्वे से भाजपा बल्ले बल्ले और कांग्रेस में मायूसी

राजस्थान के दो सर्वे इन दिनों चर्चा में है। दोनों अलग अलग एजेंसियों द्वारा कराये गए। दोनों ही सर्वे मेंभाजपा को आगे दिखाया गया। इसका मतलब यह निकाला जा रहा है की मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वाराबांटी जा रखी रेवड़ियों को मतदाताओं ने सिरे से नकार दिया है। पहला सर्वे एबीपी सी वोटर्स का था जोविधाकनसभा चुनावों का था। दूसरा ओपिनियन पोल इंडिया टीवी सीएनएक्स द्वारा कराया गया था। यहसर्वे लोकसभा चुनावों का था। पहले सर्वे में प्रदेश में भाजपा की जीत की भविष्यवाणी की गई। सर्वे मेंभाजपा को 109 -119 और कांग्रेस को 78 -88 सीटें आने का अनुमान व्यक्त किया गया। सट्टा बाजार काआकलन भी भाजपा की जीत की संभावनाएं व्यक्त कर रहा है। दूसरा सर्वे लोकसभा चुनाव का था जिसमेंप्रदेश की 25 लोकसभा सीटों में से भाजपा को 21 और कांग्रेस को 4 सीटें दी गई। इस सर्वे में देशभर मेंभाजपा की जीत का अनुमान भी व्यक्त किया गया ,जिसमें एनडीए को 318, कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधनको 175 और अन्य को 50 सीटें आने का अनुमान व्यक्त किया गया। दोनों सर्वे आते ही भाजपा खेमे में जहाँहर्ष व्यक्त किया गया वहीं कांग्रेसियों में मायूसी देखी गई। सर्वे के मुताबिक राजस्थान एक बार फिरसरकार बदलने की कगार पर है। भाजपा को यहां बहुमत मिलता साफ नजर आ रहा है। यदि यही स्थितिबरकरार रहती है तो विधानसभाचुनाव में कांग्रेस की हार निश्चित है।राजस्थान में पिछले 30 सालों से हर चुनाव में सत्ता बदलने की परंपरा चली आ रही है। विधानसभा चुनावोंके नतीजों पर नजर डालें तो यह साफ तौर पर सामने आता है कि हर टर्म के बाद सरकार का बदलना जारीहै। राज्य में 200 विधानसभा सीटें हैं। वर्ष 2003 में 120 सीटें भाजपा ने जीतीं तो कांग्रेस के पास 56 सीटेंआईं और बाकी पर अन्यों ने जीत दर्ज की। वर्ष 2008 में कांग्रेस का प्रदर्शन सुधरा और करीब 96 सीटों परविजय प्राप्त की तो वहीं भाजपा की झोली में करीब 78 सीटें आईं। वर्ष 2013 में भाजपा ने 162 सीटों के साथभारी भरकम जीत दर्ज की। वहीं काँग्रेस के पास 21 सीटें ही रह गईं। इन परिणामों में कभी भाजपा सरकारबनाती है तो कभी काँग्रेस। हर पांच साल में कार्यकाल पूरा होने के बाद होने वाले चुनावों में कांग्रेस याभाजपा, दोनों में से एक पार्टी सत्ता पर काबिज हो जाती है। इस बार बारी भाजपा की है।कांग्रेस नेता सचिन पायलेट पिछले साढ़े चार वर्षों से यह लगातार कहते आ रहे है की यह परम्परा बदलनीचाहिए और इसके लिए उन्होंने एक फामूर्ला कांग्रेस आलाकमान को सुझाया है। वहीं भाजपा आशान्वित हैकी पांच साल में सत्ता बदलेगी। कांग्रेस की तरह भाजपा भी यहाँ गुटबंदी में फंसी है। कांग्रेस में गहलोतबनाम पायलेट का संघर्ष जग जाहिर है तो भाजपा में वसुंधरा के सामने राठौड़, गजेंद्र सिंह, किरोड़ी औरपूनिया ताल ठोके हुए है।गौरतलब है काँग्रेस और भाजपा के अलावा राजस्थान में तीसरी पार्टी का कोई अस्तित्व नहीं है। दशकों सेकांग्रेस और भाजपा ही राजस्थान की राजनीतिक जमीन पर काबिज रही है। इस प्रदेश में कुम्भाराम आर्य,नाथूराम मिर्धा सहित किरोड़ी लाल मीणा, देवी सिंह भाटी और घनश्याम तिवाड़ी ने तीसरे मोर्चे कीआधारशिला रखने की तैयारी की थी मगर सफल नहीं हुए। वर्तमान में हनुमान बेनीवाल तीसरे मोर्चे कीकमान संभाले हुए है मगर उनकी तरकश के तीर भी निशाना भेदने में सफल नहीं हुए है। यहाँ फिलहालभाजपा और कांग्रेस में ही आमने सामने की लड़ाई है। और इस बार बारी एक बार फिर भाजपा की है जिसकीभविष्यवाणी इंडिया टीवी के सर्वे ने करदी है।भारत में जब भी चुनाव होता है उसके पहले और बाद में ज्यादातर सर्वे एजेंसियों, मीडियाचैनलों और अखबारों द्वारा इलेक्शन सर्वे तैयार किया जाता है। यह इसलिए कराया जाता हैताकि मालूम हो सके कि सरकार किसकी बन सकती है। ये ओपिनियन और एक्जिट पोलकितने सही हैं, उसके बारे में कोई सर्वे एजेंसी नहीं बताती। सर्वे एजेंसियां मानती हैं कि उनकेरुझान करीब-करीब सही होते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। हालांकि कभी-कभी ये सही भी होते हैं।टीवी चैनल टीआरपी के चक्कर में अपनी लोकप्रियता दांव पर लगा देते है। यदि सर्वे सही जाता है तो बल्लेबल्ले अन्यथा साख पर विपरीत असर देखने को मिलता है। चुनाव के पहले और मतदान के बाद कईएजेंसियां सर्वेक्षण कराती हैं और संभावित जीत- हार के अनुमान पेश करती हैं. कई बार इन सर्वेक्षणों केनतीजे चुनावी नतीजों के करीब बैठते हैं तो कई बार औंधे मुंह गिर जाते हैं। मतदाताओं का मूड भांपने कादावा करने वाले ऐसे सर्वेक्षणों में कई बार लोगों और राजनीतिक दलों की दिलचस्पी दिखाई देती है। कोई दावा नहीं कर सकता कि हमारे देश में चुनाव पूर्व सर्वेक्षण तरह विश्वसनीय होते हैं ।

किशोरपुरा में 12 बकरियों की मौत

मरुधर विशेष/ रमाकान्त शर्मा

बानसूर - उपखंड के गांव किशोरपुरा में शनिवार को एक किसान की 12 बकरियों की मौत हो गई जबकि बाकी 30 बकरियों की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित पशुपालक ने इसकी सूचना पशु चिकित्सा विभाग को दी। सूचना पर रविवार सुबह डॉक्टरों की टीम पहुंची और बकरियों के इलाज करने में जुटी।मामला किशोरपुरा गांव का है जहां पशुपालक नंदराम चंदेला की 12 बकरियों की

अचानक तड़प तड़प कर मौत हो गई बाकी रेवड़ में बची 30 बकरियों की हालत भी गंभीर बनी हुई है पशुपालक ने इसकी सूचना पशु चिकित्सा अधिकारी को दी। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रवीण नारनोलिया ने बताया कि रात को सूचना मिली कि पशु पालक की बकरियों की अचानक मौत हो गई और तीस की हालत खराब है। डॉक्टरों की टीम भेजी गई है। टीम बकरियों का इलाज करने में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की टीम बकरियों की मौत की जांच कर रही है।

5वे आदेश के बाद हटा पाएंगे अतिक्रमण या पूर्व की तरह ही बेरंग लौटेंगे तहसीलदार - भैयाथान

मरुधर विशेष, करन सोनी

सुरजपुर/ जिले में सड़क मत की भूमि पर दबंगों ने कब्जा करके किसी व्यक्ति का निस्तार ही रोक दिया था जिसके बाद से वह लगातार शासन प्रशासन के सामने गुहार लगा रहा था पर दबंगों के सामने उसकी एक नहीं चल रही थी जिसके बाद पीड़ित ने उच्च स्तरीय शिकायत के साथ-साथ अपनी बात मीडिया के सामने रखी तब जाकर संवेदनशील कलेक्टर ने इस बात पर संज्ञान लिया जिसके बाद भैयाथान तहसीलदार ने पांचवी बार अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी किया अब सवाल यह उठता है क्या तहसीलदार साहब इस बार अपने आदेश का पालन करवा पाएंगे या फिर 4 बार की तरह पांचवी बार भी खाली हाथ वापस आएंगे? यदि इस बार तहसीलदार साहब अतिक्रमण हटवा लिया तब तो यह माना जाएगा कि तहसीलदार साहब की भूमिका इस मामले में संदिग्ध नहीं थी पर यदि इस बार भी हटा नहीं पाए तो यह मान लिया जाएगा कि दबंगों के साथ तहसीलदार साहब भी मिले हुए क्योंकि कई बार वह जेसीबी लेकर गए लेकीन पुलिस बल नही पहुची का बहाना बनाकर अतिक्रमण हटा नहीं पाए। हलाकी इस समय भैयाथान एसडीएम कार्यालय व तहसील कार्यालय अत्यंत सुर्खियो पर है।

दबंगों को किसका संरक्षण

इस समय राजस्व विभाग पर किसी का भी नहीं चल रहा बस.. बस है तो सिर्फ भू माफियाओं व दबंगों का.. भूमाफिया व दबंग जैसा चाह रहे हैं राजस्व विभाग वैसा चल रहा है आखिर इस पर कौन लेगा सूध इस बात की चिंता में आज भी लोग काट रहे हैं समय। राजस्व विभाग एक ऐसा विभाग बन चुका है जिस पर न्याय पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन जैसा लगने लगा है, यहां पर न्याय सिर्फ पैसे वालों के लिए ही बचा है, ऐसा अब लगने लगा है कुछ ऐसा ही मामला सूरजपुर जिले के भैयाथान क्षेत्र का है जहां पर शासकीय सड़क मद की भूमि पर एक दबंग ने अपना मकान बना लिया और उस मकान को हटाने के लिए पीड़ित दर दर की ठोकर खा रहा और आवागमन के लिए रास्ता कैसे मिले इसके लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों के पास गुहार लगा रहा है, संबंधित विभाग विभाग के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है वह तो दबंगों के इशारे पर चल रहा कई शिकायत के बावजूद न्याय की दरकार है पर न्याय कब मिलेगा इसका तो इंतजार है। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि आखिर नियम विरुद्ध तरीके से कब्जा करने वाले दबंगों पर किसका संरक्षण है?

यह है पूरा मामला जहा बनी है संशय

पीड़ित विजेन्द्र कुशवाहा आ० छउवा उर्फ रामबिलास उम्र 45 वर्ष, जाति कोईरी ने राजस्व सचिव छग शासन, नवा रायपुर को शिकायत करते हुए आरोप लगया है की एसडीएम भैयाथान एवं तहसीलदार भैयाथान के द्वारा अनावेदकगण से साठ-गांठ कर शासकीय सड़क मद की भूमि पर मकान बनवा दिया गया एवं कोई कार्यवाही नही की जा रही है। आवेदक का कहना है की मेरे स्वामित्व व आधिपत्य की पैतृक भूमि ग्राम भैयाथान (हरार्पारा) प.इ.नं.13 रा.नि.मं. व तह. भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ.ग.) में ख0नं0 619 / 1 रकबा 0.03 हे. भूमि स्थित है उक्त भूमि से लगी हुई

शासकीय सड़क मद की भूमि ख.नं. 847, 425 रकबा 0.25 है. भूमि लगी हुई है। उक्त शासकीय सड़क मद की भूमि से आवेदक एवं अन्य ग्रामवासी का निस्तार होता रहा है किन्तु कुछ वर्षों से अनावेदकगण जबरन कब्जा कर मकान निर्माण किया, मकान निर्माण करने के समय आवेदक तहसील भैयाथान के समक्ष अनावेदकगण शासकीय मद की भूमि पर आहता निर्माण करने व निस्तारी बंद करने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था जिसका कार्यवाही विलम्ब से करने के कारण मकान निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया, जिसके बाद तहसील दार के द्वारा हल्का पटवारी से मौका जांच कराया मौका जांच के दौरान हल्का पटवारी ने स्पष्ट रूप से बताया कि अनावेदकगण द्वारा शासकीय सड़क मद की भूमि पर मकान निर्माण का कार्य किया है और निस्तारी बंद कर दिया है जिसके बाद भी तहसीलदार भैयाथान के द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं किया गया। तहसीलदार भैयाथान के द्वारा हल्का पटवारी के प्रतिवेदन के आधार पर स्थगन आदेश खरिज कर दिया जाता है, जबकी अनावेदकगण स्थागन आदेश के बवजूद भी निर्माण कार्य करते रहते है। जैसे-जैसे अनावेदकगण निर्माण का कार्य करते जा रहे थे वैसे-वैसे ही आवेदक तहसीलदार एवं थाना प्रभारी को आवेदन पत्र देकर जानकारी से अवगत कराते आए हैं कि अनावेदकगण आपके स्थगन आदेश के बाद भूमि निर्माण का कार्य जारी रखते है और स्थगन आदेश का बार-बार अवहेलना किया है जिसकी जानकारी के पश्चात भी तहसीलदार एवं थाना प्रभारी के द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं किया गया है जबकी हल्का पटवारी के द्वारा कई बार बाद भूमि के संबंध में जांच प्रतिवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है उक्त प्रतिवेदन में शासकीय सड़क मद की भूमि के संबंध में निर्माण किया जाना उल्लेख किया है वर्तमान समय में भी निर्माण के संबंध में हल्का पटवारी ने बेजा कब्जा के संबंध में अपना प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिसके बाद भी तहसीलदार के द्वारा कोई कार्यवही नही किया गया है। बाद भूमि शासकीय सड़क मद की भूमि है, जिस पर ग्राम वासियों एवं मवेशियों का निस्तार होता है उसमे अनावेदकगण द्वारा निरन्तर कब्जा कर उस पर लगातार निर्माण का कार्य जारी रखते हुये कार्य पूरा किया गया है, जिसकी जानकारी तहसीलदार भैयाथान को देने पर वाद भूमि स्थगन तो लगा देते है लेकित फिर अनावेदकगण से मेल-मिलाप कर स्थगन आदेश निरस्त कर दिया जाता है जिससे अनावेदकगण को बल मिलता है, शासकीय भूमि पर निर्माण का कार्य जारी रखता है। यह कि वाद भूमि शासकीय सड़क मद की भूमि है जिस पर ग्रामवासियों एवं मवेशियों का निस्तार होता है, अनावेदकगण द्वारा निरन्तर निर्माण कार्य करते हुये शासकी सड़क को पूर्णतः बन्द करते जा रहे है जिस पर तहसीलदार और थाना प्रभारी के द्वारा भी कोई कार्यवाही नही किया जाता है। यदि उक्त शासकीय सड़क मद की भूमि जो आम निस्तार का रास्ते की भूमि है जिसे अनावेदकगण द्वारा बन्द कर दिया गया है जिस कारण ग्रामवासियों व मवेशियों तथा आवेदक को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा जिसकी जानकारी तहसीलदार एवं अनुविभागीय अधिकारी (एस.डी.एम.) भैयाथान को होता रहा है किन्तु उसके विरूद्ध कोई उचित कार्यवाकी किया गया और अनावेदक का साथ दिया जा रहा है। यह कि आवेदक के द्वारा इस विषय पर कलेक्टर सूरजपुर में समक्ष अवेदन पत्र दिनांक 27.02.2023 को प्रस्तुत किया गया जिसका अभी तक कोई कार्यवाही नही कि गई जिस कारण मंत्री को उचित कार्यवाही हेतु आवेदक अपना फरियाद प्रस्तुत कर रहा है आवेदक उक्त आवेदन पत्र पर तत्काल कार्यवाही करने का निर्देश देते हुये, कब्जा हटाये जाने हेतु आदेश तहसीलदार भैयाथान व अनुविभागीय अधिकारी भैयाथान को दिलाया जाना आवश्यक है। पीड़ित ने छ.ग. शासन के शासकीय सड़क मद के भूमि को जबरन किये गये कब्जा से बेदखली की कार्यवही कराने की माँगा करते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

4 साल से न्याय की गुहार पर न्याय कब

पीड़ित विजेंद्र कुशवाहा 4 साल से न्याय की गुहार एसडीएम व तहसील कार्यालय में लगा रहा जब दबंगों ने शासकीय मत की भूमि पर कब्जा कर रहे थे तो बार-बर जाकर तहसील कार्यालय शिकायत दर्ज कराता था लेकिन तहसीलदार के कोई कार्यवाही नहीं किया, जब मकान दबंगों ने बना लिया तो स्थगन आदेश लगाकर तहसीलदार तिथि बढ़ाते गए आज 4 साल बीत गए तहसीलदार खुद अतिक्रमण हटाने आदेश बार बार जारी करते हैं, मौके पर पहुंचते हैं लेकिन बिना कब्जा हटाए वापस आ जाते हैं और एक ही बात कहते हैं पुलिस बल नहीं पहुंचा इसलिए हम कार्रवाई नहीं कर पाए वही तहसील व एसडीएम कार्यालय में लोगों के न्याय पाने के लिए चप्पल घीस जा रहे हैं पर वही बड़े-बड़े भू माफियाओं के काम मिनटों में होते हैं जब तहसील कार्यालय का चक्कर काट थक चुका पीड़ित राजस्व सचिव को पत्र लिखकर किया शिकायत, अब देखना यह है कि आखिर इस पीड़ित को कब तहसीलदार एसडीएम देते हैं न्याय..........?

अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद मेवाती का पदभार ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

तालिम खान पहाड़ी

पहाड़ी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती का पदभार ग्रहण कार्यक्रम रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित हुआ। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी और मोर्चे के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मोहम्मद सादिक सहित अन्य लोगों ने संबोधित किया। मंच संचालन सिंकदर बक्श और मोईनुदीन शेख ने किया।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड ने अपने संबोधन में कहा कि अल्पसंख्यक मोर्चा की टीम ने लगातार संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम किया है। भाजपा सदैव सबका साथ सबका विकास के उद्देश्य से काम करती है। कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। वहीं दूसरी ओर केंद्र की भाजपा सरकार ने उस्ताद योजना के माध्यम से पारंपरिक कला-कौशल योजना और स्किल पर बल दिया है। अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए मदरसों को हाईटैक करने का काम किसी ने किया है तो वह भारतीय जनता पार्टी ने ही किया है। अल्पसंख्यक समुदाय के समग्र विकास की दिशा में भाजपा निरंतर प्रयासरत है। उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा में सामान्य परिवारों से आने वाले लोगों को उनके परिश्रम का पूरा लाभ मिलता है। भाजपा एक ऐसा संगठन है जिसमें सभी मोर्चों और पदाधिकारियों के विचारों और भावनाओं की कदर होती है। केंद्र की मोदी सरकार ने उज्जवला योजना, जनधन खाते और मुफ्त राशन वितरण योजना शुरू की तो उसका लाभ सभी धर्मों और वर्गों को मिला। भाजपा का काम सभी लोगों को साथ लेकर चलने

का है, लेकिन कांग्रेस देश को बांटने का काम करती है। कांग्रेस केवल रोजा इफ्तार से मुसलमानों को खुश करने का काम करती है। कश्मीर से धारा 370 हटने पर कांग्रेस ने मुसलमानों को गुमराह किया। लेकिन आज कश्मीर से धारा 370 हटने का परिणाम ये है कि वहां का युवा पर्यटन से अपनी आजीविका चला रहा है। भारत देश सभी धर्मो के सतरंगी इंद्रधनुषिय रंगो से सजा हुआ देश है और यही इस महान लोकतंत्र की खूबसूरती है।

अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने संबोधित करते हुए कहा कि अल्पसंख्यक मोर्चा गांव गांव और ढाणी ढाणी जाकर प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी सरकार की लोकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार का काम करेगा। मदरसों में तकनीकी शिक्षा को बढावा देना हो या युवाओं को स्किल डवलप के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना प्रत्येक दिशा में भाजपा की केंद्र सरकार ने काम किया है। सूफी संवाद कार्यक्रम को लेकर पूरे प्रदेश में चलाने के लिए निर्देश भी दिए। वहीं पसमांदा समाज के लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोडने का आह्वान किया।

अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद मेवाती ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में 40 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां अल्पसंख्यक समुदाय का बाहुल्य है। इन सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ और मंडल स्तर पर हम टीम बनाकर मोदी सरकार की योजनाओं को घर-घर पहुंचाएंगे। गहलोत सरकार के खिलाफ अल्पसंख्यक विरोधी नीतियों को लेकर प्रदेश स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी शुरूआत जोधपुर के सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र से होगी। संगठन की ओर से मुझे जो दायित्व दिया गया है उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा इस अवसर पर भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल, नारायण पंचारिया, प्रदेश मंत्री बासुदेव चावला, अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मोहम्मद सादिक, डॉ.मजीद मलिक कंमाडो, आमीन पठान, फिरोज खान, मेहरूनिसा टाक, डॉ. असलम खान, जोसेफ जॉन हॉकिंस,रेस्मा हुसैन और मुनव्वर खान, मंच का संचालन मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सिकंदर बक्स, मोइनुद्दीन शेख ने किया सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे उपस्थित रहे।

डॉक्टर की लापरवाही से मरीज की मौत होने के बावजूद भी नहीं हो रही बर्खास्तगी, संरक्षण या दबाव...?

मरुधर विशेष, करन सोनी

मनेंद्रगढ़ अस्पताल में डॉक्टर के ना पहुंचने की वजह से एक घायल व्यक्ति की जान चली गई, अब जान जाने के बाद दो गुटों में बटे हुए लोग इस मामले को उलझा कर रख दिया है, जहां डॉक्टर के साथ मारपीट करने वालों के ऊपर एफआईआर की मांग हो रही है, ताकि वह दबाव में पीड़ित पक्ष मामले में आगे ना बढ़े और मामला यहीं पर ठंडा बस्ता में चला जाएं, कुछ ऐसा ही प्रयास हो रहा है, निष्पक्ष कार्यवाही की बात कोई नहीं कर रहा, जबकि मामला साफ है की आक्रोश तो डॉक्टर के प्रति लोगों का एक व्यक्ति की जान जाने की वजह से था, क्योंकि किसी का जान जाने का मामला था पर जान जाने के मामले में सभी आक्रोशित थे, और डॉक्टर के साथ मारपीट हुई उस बात को लेकर डॉक्टर के साथ सहानुभूति लिए कुछ लोग जांच को प्रभावित करने में जुट गए हैं। सवाल तो यहां उत्पन्न होता है कि आखिर जिसकी जान गई उसके लिए सहानुभूति कितनों ने दिखाई? यहां पर डॉक्टर की लापरवाही जिसने समझी उसने आक्रोश जाहिर किया, डॉक्टर की लापरवाही भूल के डॉक्टर को बचाने के प्रयास में जो लोग सामने आ रहे हैं और अपना अलग-अलग तर्क दे रहे हैं, उनकी सहानुभूति मृतक के साथ बिल्कुल भी नहीं, डॉक्टर के साथ सहानुभूति दिखाने वाले वह लोग हैं जिनसे उनकी दुकान चल रही थी, जैसे निजी दवाई दुकान निजी जांच की दुकान। और कुछ नेता किस्म के लोग जो डॉक्टर से किस कदर लाभ कमाते थे वह भी उसकी सहानुभूति में पढ़े हुए हैं। पर कोई यह नहीं सोच रहा कि इस बिगड़े हुए माहौल का भी जिम्मेदार डॉक्टर है, यदि डॉक्टर समय पर आ जाते तो यह भी विवाद जन्म नहीं लेता, विवाद को जन्म देने का श्रेय भी डॉक्टर साहब को ही जाता है, यदि वह चाहते तो किसी और डॉक्टर को वहां पर उपलध करा सकते थे, पर वह भी जरूरी नहीं समझा, जब तक डॉक्टर उपलध होता तब तक देरी हो चुकी थी। यदि इस विवाद के जन्म को देखें तो डॉक्टर की लापरवाही से ही हुआ। आक्रोश तो उस मृतक के जाने से उत्पन्न हुआ। घायल व्यक्ति की मृत्यु का आक्रोश तो भीड़ में था, और भीड़ की कोई शक्ल नहीं होती, पर अब शक्ल देकर भीड़ पर कार्यवाही करने की मुहिम छेड़ कर दबाव का प्रयास है।

नवीन जिले एमसीबी में स्वास्थ्य व्यवस्था का क्या हाल है यह किसी से छिपा हुआ नहीं है और हालिया घटी घटना जिसमे एक दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मौत हुई और मौत की वजह डॉक्टर की अस्पताल में गैर मौजूदगी साथ ही बुलाने पर भी देर से आना यह आरोप लगा,जिसमे उग्र लोगों ने मौके पर ही डॉक्टर की पिटाई की और किसी तरह डॉक्टर ने पुलिस थाने में जाकर जान बचाई। डॉक्टर भी कोई आम नहीं थे अविभाजित कोरिया जिले में भी वह मनेंद्रगढ़ समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की जिम्मेदारी सम्हाल रहे थे और जिला विभाजन के बाद वह जिला मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी के साथ साथ बीएमओ का भी कार्यभार सम्हाल रहे हैं। मृतक के परिजनों साथ ही उपस्थित लोगों के अनुसार जब दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल लाया गया तब वह जीवित था और वह घंटो जीवित रहा और यदि समय पर उसे

इलाज मिलता तो वह बच सकता था लेकिन अस्पताल में डॉक्टर मौजूद नहीं थे, वहीं जब डॉक्टर सुरेश तिवारी जो सर्जन होने के साथ साथ सीएमओ बीएमओ दोनो हैं को फोन कर बुलाया गया तो वह यह कहकर देर से आए की उनके निजी क्लीनिक में मरीज हैं और उनको देखकर वह जल्द आएंगे और उनकी जल्दी ऐसी रही की बिना इलाज व्यक्ति की मौत हो गई और बाद में परिजनों के साथ उपस्थित लोगों ने जमकर अपना आक्रोश निकाला। मामले में अब तक किसी के ऊपर कार्यवाही नहीं हुई है और आगे कार्यवाही होगी या नहीं यह भी तय नही है।

सही से की जाए जांच तो डॉक्टर सुरेश तिवारी पाए जाएंगे दोषी,फिर भी उन्हें बचाने का किया जा रहा प्रयास,अगली लापरवाही को दिया जा रहा आमंत्रण

घायल व्यक्ति के मौत मामले में यदि सही जांच की जाए तो डॉक्टर सुरेश तिवारी का दोषी पाया जाना तय है,लेकिन अब मामले में उन्हे बचाने का प्रयास किया जा रहा है।मामले में उन्हे बचाने का साफ मतलब है की अब आगे फिर किसी लापरवाही का जिम्मेदार इंतजार करेंगे क्योंकि डॉक्टर तिवारी शासकीय अस्पताल की जगह अपने निजी क्लीनिक में ही व्यस्त रहेंगे यह तय है।

मामले में कार्यवाही होगी या कार्यवाही के नाम जारी है सौदेबाजी

पूरे मामले में अब दो धड़ा सामने है एक तरफ घायल एवम इलाज नहीं मिल पाने की वजह से मृत हो चुके व्यक्ति के परिजन हैं जो डॉक्टर सहित लापरवाह अस्पताल प्रबंधन पर कार्यवाही की मांग कर रहें हैं, वहीं दूसरा धड़ा है डॉक्टर सहित अस्पताल प्रबंधन का जो मृतक के परिजनों पर डॉक्टर से मारपीट किए जाने मामले में कार्यवाही चाहते हैं, अब इन दो धड़ों के बीच मामला उलझा हुआ है और जांच साथ ही कार्यवाही लंबित है और इस बीच मामले में सौदेबाजी की बात सुनाई दे रही है, जिसमे दोनो धड़े आपस में अपना अपना मामला वापस ले लें ऐसी संभावना बनाई जा रही है जिससे मामले को दबाया जा सके, अब पूरे मामले में सौदेबाजी की खबरों के बीच यह भी सवाल उठ रहा है की यदि मृतक के परिजनों ने मारपीट की है तो उनके खिलाफ जांच कर तत्काल कार्यवाही क्यों नहीं की जाती? वहीं दोषी डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन जिसकी लापरवाही से घायल युवक की जान गई जैसा परिजनों का आरोप है उसके अनुसार क्यों जांच कर कार्यवाही नहीं की जा रही है? क्या मामले को रफा दफा करना ही उद्देश्य है और इसलिए मामले में अभी कार्यवाही को लेकर समय दिया लिया जा रहा है यह भी सवाल खड़ा हो रहा है।

स्वास्थ्य व्यवस्था आज ऐसे डॉक्टर के हांथ में है जो शासकीय सेवा की बजाए निजी लाभ के लिए निजी क्लीनिक में ज्यादा व्यस्त रहते हैं

वहीं अब मामले में मनेंद्रगढ़ में ही डॉक्टर सुरेश तिवारी को लेकर दो गुट बन गए हैं जहां एक कार्यवाही की मांग कर रहा है वहीं दूसरा उनके कसीदे पढ़कर उन्हे गरीबों का मसीहा बता रहा है, वैसे डॉक्टर सुरेश तिवारी गरीबों के वह मसीहा हैं जो शासकीय सेवक रहते हुए शासकीय अस्पताल में कम अपने निजी क्लीनिक सह अस्पताल में ज्यादा व्यस्त रहते हैं और लगभग ज्यादा समय निजी क्लीनिक को ही प्रदान करते हैं। मनेंद्रगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था साथ ही जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था आज ऐसे डॉक्टर के हांथ में है जो शासकीय सेवा की बजाए निजी लाभ के लिए निजी क्लीनिक में ज्यादा व्यस्त रहते हैं और उसके बावजूद कुछ उन्हे गरीबों का मसीहा बता रहें हैं। पूरे मामले में घायल व्यक्ति जिसकी मौत हो चुकी है उसकी जान तो वापस नहीं आने वाली लेकिन भविष्य में ऐसी कोई पुनरावृा न हो अब इसको लेकर भी संशय उत्पन्न हो रहा है क्योंकि कुछ लोग ऐसे चिकित्सक के साथ खड़े हैं जो शासकीय अस्पताल की अव्यवस्था का कारण है।

डॉक्टर सुरेश तिवारी की लापरवाही भूलकर एक वर्ग उन्हे गरीबों का मसीहा बता रहा है

मनेंद्रगढ़ में दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मौत मामले में जो प्रारंभिक जानकारी परिजन और उपस्थित लोगों ने दिया है उसके अनुसार घायल व्यक्ति की जान बच सकती थी केवल यदि समय पर उसे इलाज मिल सका होता। समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह से ही उसकी जान गई यह प्रारंभिक जानकारी है और जिसकी वजह से यह मृत्यु हुई,घायल को बचाने लोगों ने अस्पताल में डॉक्टर नहीं होने पर डॉक्टर सुरेश तिवारी को ही फोन किया था जो अस्पताल सहित जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के मुखिया है लेकिन उन्होंने निजी क्लीनिक में मरीज होने की बात कहकर विलंब किया और घायल की जान चली गई,मामले जहां डॉक्टर सुरेश तिवारी की लापरवाही को देखते हुए उनके ऊपर कार्यवाही की जानी चाहिए थी वहीं उनके ऊपर कार्यवाही का अब कुछ लोग यह कहकर विरोध कर रहें हैं की वह तो गरीबों के मसीहा हैं। डॉक्टर सुरेश तिवारी के बारे में शहर नहीं पूरा जिला नहीं वरन अन्य सीमावर्ती राज्य के लोग भी जानते हैं की वह शासकीय अस्पताल की जगह निजी क्लीनिक पर ज्यादा ध्यान देते हैं और ऐसे में उन्हें गरीबों का मसीहा बताया जाना मसीहा शद का ही अपमान है जो कहा जा सकता है।

अलग अलग हादसों में दो बृज यात्री घायल,भरतपुर रैफर

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां। इन दिनों चल रही बृज यात्रा में भारी संख्या में बृज यात्रियों के द्वारा बृज चैरासी कोस की परिक्रमा कर रहे है। जहां रविवार को अलग अलग हादसों में दो बृज यात्री घायल हो गए। जिनको कामां के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां दोनो ही यात्रियों को जिला अस्पताल रैफर कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भरतपुर के थाना रूपवास के गांव टोटपुर निवासी अरब सिंह पुत्र भगवानसिंह गुर्जर को बृज चैरासी कोस परिक्रमा मार्ग स्थित गांव बिलौंद के निकट एक अज्ञात बाइक सवार ने बृजयात्री अरब सिंह को पीछे से टक्कर मारकर भाग गया। जिसको को अन्य बृजयात्रियों की सहायता से कामां के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रैफर कर दिया। वहीं दूसरी ओर बृज परिक्रमा मार्ग स्थित चामण्डा माता मन्दिर के समीप मध्य प्रदेश के जिला अशोक नगर के कस्बां भरखून खेडा निवासी युवती उमा यादव पुत्री गोविन्द यादव को किसी जहरीले कीडे के काटने से तबीयत बिगडने लगी तो यात्रियों के द्वारा उसको कामां के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसे भी जिला अस्पताल रैफर कर दिया।

बालक के पेट में साइकिल का हैंडल घुसने से मौत

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां। कामां कस्बें में एक दर्द भरी घटना सामने आने से कस्बेंवासियों झकझोर दिया है। शनिवार सांय को कस्बें के गोविन्द मौहल्ला निवासी दस वर्षीय बालक के साइकिल चलाते समय पेट में साइकिल का हैंडल घुस जाने से बालक की आंतें फट गई। जिसको कामां के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक राजपाल यादव ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर के लिए रैफर कर दिया। जिसकी ईलाज

के दौरान जयपुर में मौत हो गई।मिली जानकारी के अनुसार कस्बां के गोविन्द मौहल्ला निवासी बोकेन्द्र उर्फ बॉकी खण्डेलवाल का दस वर्षीय पुत्र निंकुज खण्डेलवा मौहल्ले में ही साईकिल चला रहा था अचानक साइकिल का हैंडल उसके पेंट गया जिससे उसकी आंत जख्मी हो गई। धायल बालक को परिजनों ने कामां के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन हालत नाजुक होने के कारण उसे चिकित्सक ने जयपुर रैफर कर दिया। जहां रविवार सुबह उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

बैरोज गांव में सैयद बाबा के भंडारे में श्रद्धालुओं ने पाई प्रसादी

मरुधर विशेष/ विजय सिंह

खैरथल 30 जुलाई। समीपवर्ती गांव जिंदोली के पास स्वामियों की ढाणी गांव बैरोज मोड़ पर सैयद बाबा का विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा । इससे पहले भक्तों की ओर से विधिवत पूजा-अर्चना व हवन में आहुति के साथ आम भंडारे का शुभारंभ किया गया । हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद स्वरूप भोजन प्राप्त किया व सैयद बाबा के समक्ष मत्था टेक कर मन्नत मांगी। पुजारी शिवलाल स्वामी ने बताया कि 27 जुलाई को स्वामियों की ढाणी गांव बैरोज मोड़ पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सैयद बाबा का आठवां विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ।जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर भगत शिवलाल स्वामी, अमित, संदीप, रिंकू, लेखराम, गिर्राज, प्रदीप, महेश, हेमंत, किरिश आदि ने व्यवस्थाएं संभाली।

पंजाबी सभा खैरथल की आम सभा बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दों पर लिए निर्णय

मरुधर विशेष/विजय सिंह

खैरथल 30 जुलाई। पंजाबी भवन खैरथल में पंजाबी सभा खैरथल के अध्यक्ष कपिल शर्मा की अध्यक्षता में आम सभा की बैठक आयोजित की गई कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। समाज के प्रवक्ता सचिव पंकज खुराना ने बताया कि रविवार को पंजाबी भवन खैरथल में पंजाबी सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कपिल शर्मा के अध्यक्षता में आम सभा

की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक पंजाबी परिवार से 200 रुपए सदस्यता शुल्क लेने और समाज के लोगों की जनगणना कर नए सदस्यों को जोड़ने का निर्णय लिया गया। पंजाबी सभा खैरथल के अध्यक्ष कपिल शर्मा ने बैठक में मौजूद पदाधिकारियों व गणमान्य लोगों से समाज से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लेने की बात की। बैठक में समाज के मुखी,गोविंदराम सोनी,कपिल शर्मा अध्यक्ष,पंकज खुराना सचिव, कश्मीरी लाल छाबड़ा, कोषाध्यक्ष,डॉ जितेंद्र तनेजा,महेश भल्ला,पीएल बंगा, राधेश्याम मुखीजा, रिंकू वासुदेव,ईशान ढींगरा,मेघराज लक्खा,पप्पी तनेजा,आत्म प्रकाश तनेजा,अशोक तनेजा,नीरज मदान, सुशील कुमार, नथु पंजाबी आदि समाज के लोग उपस्थित रहे।

राजस्थान युवा महोत्सव समारोह में प्रतिभागियों को किया सम्मानित

मरुधर विशेष/ विजय सिंह

खैरथल 30 जुलाई। राजस्थान युवा महोत्सव के समापन समारोह में एंजल अकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रतिभागियों को सामूहिक नृत्य एवं सामूहिक गान में किशनगढ़ बास ब्लॉक में प्रथम स्थान आने पर अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। ब्लॉक में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद अब आगामी प्रतियोगिता में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भी भाग लेंगे । इसके अलावा डिबेट प्रतियोगिता में इन्द्रा हैप्पी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खैरथल की छात्रा टीया शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया । पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभागियों को राजस्थान किसान आयोग के उपाध्यक्ष विधायक दीपचंद खैरिया,उपखंड अधिकारी गंगाधर

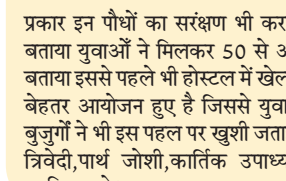

मीणा,किशनगढ़ बास के प्रधान बीपी सुमन,ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भारत भूषण शर्मा,खैरथल नोडल केन्द्र के प्रभारी नवीन चौधरी,कांग्रेस पीसीसी सदस्य अध्यक्ष गिरीश डाटा, खैरथल ब्लॉक के अध्यक्ष शिवचरण गुप्ता, नगर पालिका खैरथल के ईओ प्रभारी मोती लाल वर्मा एवं पार्षद जाजन मूलानी आदि ने सम्मानित किया । अतिथियों ने कहा कि राजस्थान में कला को निखारने का एक अच्छा अवसर है जोकि एंजल अकेडमी विद्यालय के प्रतिभागियों ने करके दिखाया है। भविष्य में भी इसी प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम देने के लिए प्रोत्साहित किया गया ।

औदिच्य समाज के युवाओं ने दिया पर्यावरण संरक्षण का सन्देश

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ाः प्रकृति के संरक्षण व संर्वधन से प्रेरित होकर सहस्त्र औदिच्य ब्राह्मण समाज छात्रावास के युवाओं ने पौधरोपण का संकल्प लिया। होस्टल वॉर्डन मयंक पंड्या ने बताया कि युवाओं ने रातीतलाई स्थित समाज के छात्रावास को

अपना परिवार समझकर अपने जन्मदिन व शुभ अवसर पर एकजुट होकर प्रत्येक युवा 15-15 पौधे लगा रहे है । राष्ट्रीय युवा पुरस्कार सम्मानित यश व्यास ने कहा इस होस्टल ने शिक्षा के बीज बोए थे जो आज वटवृक्ष बन समाज के हित में योगदान दे रहे है उसी प्रकार इन पौधों का सरंक्षण भी करना हमारा कर्तव्य है। यशवंत पंड्या ने बताया युवाओं ने मिलकर 50 से अधिक पौधे लगाए। निर्मित उपाध्याय ने बताया इससे पहले भी होस्टल में खेल समाग्री वितरण व करियर सेमिनार जैसे बेहतर आयोजन हुए है जिससे युवाओं को नई ऊर्जा मिली है। समाज के बुजुर्गों ने भी इस पहल पर खुशी जताई। इस अवसर पर समाज के युवा संदीप त्रिवेदी,पार्थ जोशी,कार्तिक उपाध्याय,दिशांत जोशी,जय,अरविंद आदि उपस्थित रहे।

वंदना ने किया साबित- लगन से हर लक्ष्य किया जा सकता है हासिल

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ा सरेड़ी बड़ीः इंसान किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए जुनून अपने दिमाग मे बिठा ले और रात दिन वही लक्ष्य चिड़िया की आंख तरह नजर आये तो परिस्थितिया कैसी भी हो आपको कोई नही हरा सकता है.... वंदना गर्ग पत्नी चंद्रेश गर्ग निवासी सुन्दनी ने ये साबित कर दिया। इससे बड़ा और अद्भुत प्रेरणादायी उदाहरण नही हो सकता आज के युवाओं के लिए। बंदना के पति पूजा पाठ एवं कर्मकांड कर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं, वहीं उनके श्वसुर नंद किशोर गर्ग सागोली हनुमान मंदिर में बरसों से पूजा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वंदना ने पारिवारिक रिश्ते, नाते, घर गृहस्थी के सारे काम करते हुए तृतीय श्रेणी अध्यापक के लेवल 1 एवं लेवल 2 के संस्कृत विषय में ना केवल चयनित हुए बल्कि अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण होने के कारण वरीयता सूची में अपने वर्ग में उच्च स्थान पर रहे हैं। पिछले 2 दिन पूर्व जारी संस्कृत द्वितीय श्रेणी परीक्षा में भी शानदार अंको से उत्तीर्ण होकर उन्होंने वरीयता सूची में अपना नाम बनाया है। इसके अलावा कक्षा बारहवीं एवं स्नातक लेवल के सीईटी पात्रता परीक्षा में भी उच्च अंको के साथ उत्तीर्ण होकर अपने बच्चों सहित समाज एवं गांव का ही नही पूरी नारी शक्ति का नाम रोशन किया है। वंदना ने बताया कि उनके दो कमरों के घर में बेटियों के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हुए जीवन में कुछ कर गुजरने का लक्ष्य लिया और किसी भी तरह से परिवार को संतुष्ट रखते हुए सरकारी नौकरी हासिल करने का लक्ष्य लिया। उन्होंने लगातार रूप से नोट्स बनाकर और उनके सारे चार्ट बनाकर किचन की दीवारों पर चिपकाए और उनसे लगातार रूप से अध्ययन कार्य जारी रखा। उनके दो बेटियां हैं जिसमें बड़ी बेटी कक्षा 10 में तथा छोटी बेटी कक्षा आठवीं में अध्ययनरत है। एक शानदार प्रतिभा एवं अपने समर्पण के द्वारा परिवार को भी पूरी तरह से अपनी सेवाएं देते हुए प्रत्येक परीक्षा में चयन होना अपने अपने-आप मे आदर्श प्रस्तुत करता है। ये जानकारी आशीष जोशी ने दी।

विप्र फाउंडेशन आरोग्य साथी बांसवाड़ा क्षेत्र का स्नेह मिलन समारोह

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ाः आज दिनाक 30 जुलाई 23 रविवार को गायत्री गार्डन वाटिका में विप्र फाउंडेशन आरोग्य साथी बांसवाड़ा क्षेत्र का स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें जिले के सैकड़ों आरोग्य साथियों एवम् मातृ शक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विप्र फाउंडेशन के अध्यक्ष योगेश जोशी एवं आरोग्य साथी जिला अध्यक्ष महेश चौबीसा ने की। मुख्य अतिथि डॉ.युधिष्ठिर त्रिवेदी,डॉ.हरीश शर्मा, डॉ.योगेश जोशी, डॉ.पवन शर्मा,डॉ. वनिता त्रिवेदी रहे। विशिष्ट अतिथि अरविंद चोबीसा,जयप्रकाश व्यास,मदन भट्ट,हरीश जोशी,दीपक भट्ट,महेंद्र त्रिवेदी,आशीष अधिकारी,अनिल जोशी,शरद त्रिवेदी, भवानी शंकर पंड्या, हितेंद्र भट्ट एवम् समस्त ब्लॉक अध्यक्ष लोकेश जोशी,प्रदीप त्रिवेदी, गीता पंड्या,विकास पंड्या,मयंक भट्ट,आशा चौबिसा,दिलेश पाठक, नमन भट्ट,चंद्रेश शर्मा रहे। समस्त अतिथियों का आरोग्य साथियों द्वारा उपरना ओढ़ा कर स्वागत किया गया। जिला प्रवक्ता विपिन चौबिसा ने मंचासीन अतिथियों एवं दूर दराज क्षेत्रों से आए मातृ शक्ति एवम्-आरोग्य साथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने अपने संबोधन में भगवान श्री परशुराम के पद चिन्हों पर चलने का आह्वान किया।डॉ.वनिता त्रिवेदी ने ब्राह्मण इतिहास को याद कर समस्त विप्र समाज को एक जुट रहकर सुख दुःख मे साथ देने का आह्वान किया। अरविंद चौबिसा ने अपने संबोधन में विप्र समाज को आरोग्यता के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।डॉ.योगेश जोशी ने अपने संबोधन में ये आश्वस्त किया कि चिकित्सा क्षेत्र में विप्र समाज के साथ सर्व समाज को यथासंभव मदद करने का विश्वास व्यक्त किया। कोषाध्यक्ष मयंक पंड्या ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आरोग्य साथी कोष स्थापना का आह्वान किया। महेश चोबिसा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा की चिकित्सा क्षेत्र सेवा में आरोग्य साथी समाज के हर वर्ग के लिए मील का पत्थर साबित होगा। योगेश जोशी ने अपने उदबोधन में ध्यान आकर्षित किया कि विप्र फाउंडेशन का उद्देश्य सिर्फ विप्र समाज ही नहीं वरन सर्व समाज को साथ लेकर श्रेष्ठ एवम्-उन्नत राष्ट्र का निर्माण करना है। अंत में जिला महामंत्री संदीप गामोट ने पूरे जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पानी में भीगते हुए आई मातृ शक्ति एवम् आरोग्य साथियों का अभिवादन एवं धन्यवाद अर्पित किया। समारोह में रजिस्ट्रेशन की जिम्मेदारी दीपेश वशिष्ठ,चंद्रशेखर जोशी, गौरव भट्ट,संकल्प व्यास,नितिन जोशी, जितेन्द्र जोशी, हितेश गामोट,मनोज चौबीसा, जितेन्द्र पाठक ने निभाई। स्नेह भोज वितरण व्यवस्था प्रशांत आचार्य,चंद्रकांत गामोट,मयंक चोबिसा, मयंक जोशी एवं कौशिक भट्ट ठिकरिया ने संभाली। कार्यक्रम में अरुणा दीक्षित,दीपिका उपाध्याय,परेशा उपाध्याय,प्रवीणा मेहता, देवबाला पंड्या,चंदा जोशी, कल्पना त्रिवेदी, विजयबाला,उषा वैष्णव,हिना जोशी, नित्या जोशी,कृति चोबीसा,धारणा जोशी, मोहनलाल त्रिवेदी, धर्मेंद्र वैष्णव,मोहन व्यास,सचिन त्रिवेदी, इलेश जोशी,हितेंद्र चोबिसा,अभिषेक जोशी,जितेन्द्र पाठक, भुवनेश भट्ट, मुकेश उपाध्याय, कुणाल त्रिवेदी, प्रतीक वशिष्ठ, कुलदीप पारीक, वैभव जोशी एवम् सैकड़ों की संख्या में आरोग्य साथी एवम्-मातृ शक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महेश चोबिसा एवम्-विपिन चोबिसा ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद योगेश जोशी की दुखद मृत्यु पर ॐ नमः शिवाय के मंत्र बोल आत्मा की शांति की कामना और परिवार को दुख की घड़ी सहन शक्ति की प्रार्थना की।विप्र फाउंडेशन बांसवाड़ा जिला अध्यक्ष योगेश जोशी ने श्री सहस्त्र ओदीच्य ब्राम्हण समाज के प्रति धन्यवाद कीया। उन्होंने निशुल्क समाज भवन उपलब्ध कराया जबकि उनका पूर्व निर्धारित कार्यक्रम तय था। जो टेंट में किया गया। प्रबंधक विनोद जोशी का सहयोग भी सराहनीय रहा।समापन शांति पाठ और स्नेह भोज का आयोजन भोजन मंत्र के साथ किया गया।

खैरथल में पुलिस व खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा कलाकंद कारखानों पर की गई कार्रवाई द्वेषपूर्ण : ओमप्रकाश रोघा

निष्पक्ष जांच नहीं की गई तो विरोध में व्यापारी करेंगे धरना प्रदर्शन

मरुधर विशेष/विजय सिंह

खैरथल 30 जुलाई। संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा व कारखानों के मालिकों ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा है कि 27 जुलाई से पिछले दो दिनों में जो कार्यवाही की गई है वह न्यायसंगत नहीं है। संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा के पास उनके कार्यालय पर पहुंचे कलाकंद आदि दूध की मिठाई बनाने वाले कारखाना वालों ने कहा कि उनके पास लाइसेंस आदि आवश्यक प्रमाण पत्र मौजूद हैं और पिछले लंबे समय में एक भी मिलावट का मामला नहीं है और ना ही कभी उनके यहां से भरे गए सैंपल फेल हुए हैं वे वनस्पति तेलों,मिल्क पाउडर व दूध के सम्मिश्रण से कलाकंद आदि मिठाइयां बनाते हैं इसमें किसी भी तरह के कैमिकल इस्तेमाल नहीं किए जाते हैं। साफ सफाई का पूरा ध्यान रखा जाता है।संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि पुलिस और खाध सुरक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई कार्यवाई में कारखानों के मालिकों की गिरफ्तारी द्वेषपूर्ण और मनमानी पूर्ण की गई है। उन्होंने कहा कि 27 जुलाई को हुई सेंपलिंग की जांच का परिणाम आने से पहले ही अर्धरात्रि को गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी होना अन्यायपूर्ण प्रतीति होती है।उन्होंने संपूर्ण मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा भविष्य में न्यायोचित कदम उठाए जाने का आग्रह किया है। निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो व्यापारी विरोध में धरना प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर कारखानों के संचालक भगवान दास बालानी, धर्मदास बच्चानी, किशोर असरानी, नरेश कुमार, ईश्वर गोरवानी, कन्हैयालाल असरानी के अतिरिक्त,व्यापारिक प्रतिनिधि सेवक लालवानी आदि मौजूद रहे।

राजस्थान में भाजपा की सरकार बनेगी, रुके हुए विकास कार्य होंगे पूरे : रामहेत सिंह यादव

मरुधर विशेष/विजय सिंह

खैरथल 30 जुलाई। नहीं सहेगा राजस्थान के तहत कस्बे के एक निजी होटल में भाजपा पदाधिकारियों की जिला उत्तर के जिला अध्यक्ष उम्मेदसिंह भाया की अध्यक्षता में मीटिंग का आयोजन किया गया।महामंत्री मनीष शर्मा ने बताया कि नहीं सहेगा राजस्थान के तहत रविवार को आयोजित हुई बैठक मेंकार्यक्रम के प्रभारी डांग विकास बोर्ड के पूर्व राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम ने राजस्थान सरकार के काले कारनामों की चर्चा करते हुए बताया कि गहलोत सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है।राजस्थान में जमकर पेपर लीक महिलाओं के साथ अत्याचार किसानों की कर्ज माफी दलितों पर अत्याचार बिजली बिलों में बढी दरें बेरोजगारी के कारण जनता ने मन बना लिया है। कि आगामी विधानसभा चुनाव में राजस्थान से कांग्रेस सरकार को उखाड़ देंगे।पूर्व विधायक रामहेत यादव ने कहा कि पिछले साढे 4 साल गहलोत सरकार ने कोई काम नहीं किया सिर्फ अपनी कुर्सी बचाई है।फ्यूल चार्ज के नाम पर हजारों करोड रुपए जनता से वसूल किया । अब राहत शिविर के नाम पर जनता को बेवकूफ बनाने का काम कर रहे हैं। पूर्व भाजपा सरकार में जितने भी विकास कार्य शुरू किए गए थे सभी को रोक दिया। खैरथल को ना पानी मिला ना बाईपास और ना ही कोई और विकास किया ऐसे में जनता भाजपा सरकार बनाएगी। और रुके हुए विकास कार्य पूरे होंगे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष उम्मीद सिंह भाया एवं पूर्व जिला अध्यक्ष बलवान सिंह यादव ,प्रभारी महासिंह चौधरी, जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाड़ा ,जिला मंत्री उमेश चौधरी ,पूर्व सभापति संदीप दायमा ,मोहित यादव, किशनगढ़ बास चेयरमैन प्रतिनिधि सतीश सिंघल, भाजपा मंडल खैरथल अध्क्ष प्रमिल जसोरिया, अध्यक्ष प्रवीण जसोरिया, महामंत्री दिलीप गुप्ता, प्रकाश यादव ,जिला मंत्री रविंद्र पटेल ,बानसूर चेयरमैन सज्जन मिश्रा ,महामंत्री हर्ष यादव, एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वडलीपाड़ा और हिंडोलिया मुक्तिधाम पर पौधारोपण किया गया

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

कुशलगढः आज वडलीपाड़ा और हिंडोलिया दोनों गांव के मुक्तिधाम पर गांव के ग्रामजनो द्वारा पौधारोपण के कार्य का शुभारंभ किया गया। जिसमें चंदन का पौधा निशांत पिता राकेश मईडा द्वारा लगाया गया। इस अवसर पर गांव के फतेहसिंह, विदेश, मलेश,आले सिंह ,प्रेम और महेश आदि उपस्थित रहे।

नीलम जोशी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ाः विप्र फाउंडेशन बांसवाड़ा की महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष डा.कीर्ति आचार्य और विप्र फाउंडेशन जिला अध्यक्ष योगेश जोशी की अनुशंसा पर जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुवे श्रीमती नीलम जोशी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त करते हुवे नगर प्रभारी का कार्यभार सुपर्द किया। उक्त जानकारी विप्र फाउंडेशन जिला अध्यक्ष योगेश जोशी ने दी।

राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद कुशलगढ़ की बैठक

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

कुशलगढःराजस्थान वनवासी कल्याण परिषद कुशलगढ़ की बैठक स्थानीय छात्रावास मोर में जिलाध्यक्ष विजयसिंह देवदा की अध्यक्षता में संपन्न हुई! मुख्य वक्ता भरत कुमावत रहे! मुख्य वक्ता ने संगठन द्वारा आगामी वर्ष भर के कार्यक्रमों की विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यकताओं को संबोधित किया! साथ ही साथ जिला कार्यकारिणी सदस्यो ने पिछले वर्ष की गतिविधियों की समीक्षा की एवं इस वर्ष की योजनानुसार सभी कार्यक्रम हो इस बात पर सभी ने अपने

अपने क्षेत्र में सशालित परिषद के पृक्ल्पो को गोद लेने एवं पालक के रूप में समय समय पर मार्ग दर्शन देने की सहमति बनी ! साथ ही जिला श्रद्धा जागरण प्रमुख के दायित्व पर कोदर महाराज टिमेडा बडा को जिम्मेदारी सौंपी ! बैठक में उपस्थित जिला कार्यकारिणी सदस्यों में रामसिंह मईडा, डॉक्टर जोहनसिंग देवदा, कल्लू महाराज, गणपतजी मुनिया, महिला प्रमुख किका बेन,हुकला भाई, देवगिरी महाराज, कैलाश भगत,गटुलाल गरासिया, बहादुरसिंह डामोर, दोलतसिह गरासिया,थानेश्वरजी आदि कई कार्यकर्ता उपस्थित रहें सशालन जिला मंत्री मालजी मईडा ने किया ! आभार संगठन मंत्री वेस्ताराम वसुनिया ने माना !यह जानकारी वेलजी देवदा ने दी !

बुद्धिजीवी समाज को जागृत करें - बारिया

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

कुशलगढः भील समग्र विकास परिषद कुशलगढ़ के सभागार में सज्जनगढ़, कुशलगढ़ के बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों, समाज सेवकों की उपस्थिति में परिषद अध्यक्ष रूपजी बारिया की अध्यक्षता,

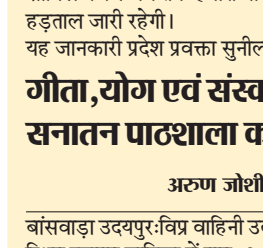

मुख्य अतिथि के रूप में रोहित हुरतिंग खड़िया, विशिष्ट अतिथि देवीलाल डामोर, राकेश डामोर सरपंच रामगढ़, महेश कटारा रहे। बैठक में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने के लिए पूर्व तैयारी हेतु बैठक आहूत की गई। जिसमें सभी राजनीतिक दलों के साथ समन्वय स्थापित कर समाज को आगे बढ़ाने की बात कही। समाज मे व्याप्त कुरीतियों पर गहन चिंता व्यक्त की गई। साथ ही सभी ने मिलकर जनसंख्या के अनुपात में मिशन 73 आरक्षण की मांग की। टीएसपी से नॉन टीएसपी स्थानांतरण, उपस्थित समस्त अतिथियों ने मणिपुर की हिंसक घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। साथ ही कुशलगढ़ नगर में कुशला भील की मूर्ति लगाने, परिषद परिसर में वृक्षारोपण, जनजाति प्रतिभाओं का सम्मान करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में लालसिंह डामोर पूर्व जनपद, धीरजमल डामोर, प्रेम गणावा, डॉक्टर जोहन सिंह देवदा, तगु कटारा, बैंक अधिकारी सरदार सिंह कटारा, भास्कर निनामा, कानहेंग मईड़ा, रामचन्द्र रावत, शंभुलाल आदि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रेम गणावा ने किया एवं आभार भास्कर निनामा ने माना। ये जानकारी महेश सोनी ने दी।

बांसवाड़ा जिले के समस्त शिक्षा सहयोगी आज से हड़ताल पर

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ाः जिले के सभी मां बाडी/ डे केयर शिक्षा सहयोगी दिनाकं 31/7/2023 सोमवार की सुबह 9.00 बजे कार्यालय स्वचछ परियोजना बांसवाडा के सामने कार्य बहिस्कार कर जिले के सभी शिक्षा सहयोगी धरने पर बैठेंगे। मां बाडी शिक्षा सहयोगियो के साथ सौतेला व्यवहार किया है सरकार समय रहते मां बाडी शिक्षा सहयोगियो की मांगो पर विचार कर जनजाति क्षेत्रिय विकास विभाग मे कैडर बनाकर संविदा रूलस 2022 शामिल करे । जब तक हमारी मांगों का उचित समाधान नहीं होता है तब तक हड़ताल जारी रहेगी।
यह जानकारी प्रदेश प्रवक्ता सुनील रावत ने दी।

गीता,योग एवं संस्कारों से युक्त रविवारीय सनातन पाठशाला का आयोजन

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ा उदयपुरःविप्र वाहिनी उदयपुर के तत्वावधान में शहर के हिरणमगरी स्थित स्वागत वाटिका में प्रातः 8.00 से प्रातः 9.30 बजे निशुल्क रविवारीय सनातन पाठशाला आयोजित की जा रही है। विप्र वाहिनी के प्रदेश महासचिव डॉ.विक्रम मेनरिया ने बताया कि मुख्य वक्ता स्वामी श्री गोविंद देव गिरी जी की शिष्या प. सं संतोष दीदी ने श्रीमद भगवत गीता के 12वें अध्याय का पाठ कराते

हुए भगवान श्री कृष्ण के बताए मार्ग पर चलने हेतु मार्गदर्शित किया।पाठशाला का आरम्भ पतंजलि योग समिति के मुकेश पाठक द्वारा सूर्य नमस्कार का अभ्यास के साथ किया गया।संस्कार पुरोहित डॉ.भूपेन्द्र शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोचारण के साथ यज्ञ का क्रियात्मक प्रशिक्षण दिया गया। यज्ञदेव के साक्षी में नैतिक राठौड़ के जन्म दिवस पर विशेष वेद मंत्रों की आहुतियां देते हुए सभी यजमानों को संकल्प दिलाया गया कि अपना जन्म दिवस इसी भांति दीप प्रज्ज्वलित कर, यज्ञ कर, पौधारोपण कर, गौ माता की सेवा कर आदर्श रीति से मनाएं। सर्व समाज के सभी वर्गों के लिए आयोजित इस निशुल्क पाठशाला में बड़ी संख्या में प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मेनारिया समाज के पूर्व उपाध्यक्ष चन्द्र शेखर मेहता ने विक्रम मेनारिया के इस आयोजन को सराहनीय प्रयास बताया '

अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनाने की तैयारी बैठक

मरुधर विशेष फलोदी। भील समाज न्याति नौहरा फलोदी में भगवान राम भील अध्यक्ष भील विकास समिति की अध्यक्षता में दिनांक 9 जुलाई 23 को अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस के उपलक्ष में फलोदी में जिला स्तर का कार्यक्रम मनाने हेतु तैयारी बैठक रखी गई ।जिसमें जीवन राम भील मोखेरी ने अपने संबोधन में बताया कि गत वर्ष की भांति इस बार भी समस्त अंबेडकरवादी विचारधारा के लोग अनुसूचित और अनुसूचित जनजाति सामूहिक रूप से मिलकर अंतरराष्ट्रीय मूलनिवासी आदिवासी दिवस मनाएंगे । उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को आग्रह किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर कार्यक्रम को सफल बनावे। कार्यक्रम में डॉक्टर निरंजन मेहरा , वल्लभ लखेश्री, भूराराम ग्राम विकास अधिकारी, डूंगराराम सरपंच,ताराराम जिला परिषद सदस्य, घेवाराम फोरेस्ट आफिसर आदि ने अपने अपने विचार रख कर कार्यक्रम को सफल बनाने अपना अपना पूर्ण योगदान देने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में अशोक लोहावट,बलराम ,दिपक भैराराम शेखासर ,फकीरा राम, पलीना रूपचंद ,बाबूराम ,मुकेश भील मांगीलाल जनागल पंचराम चेतन राम जीवनजी पाक विस्थापित आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

एक नजर

आवारा पशुओं को मुख्य मार्ग से हटाने चलाया जा रहा रोका-छेका अभियान

मरुधर विशेष, करन सोनी

एमसीबी/ कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में रोका छेका अभियान के तहत मुख्य मार्गों से आवारा पशुओं को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। नगरीय निकायों में काऊ कैचर वाहन के जरिए आवारा पशुओं को पकड़कर गोठानों और अन्य सुरक्षित जगहों में ले जाया जा रहा है। इसी तरह पशुपालन विभाग के द्वारा शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं का चिन्हांकन कर रेडियम बेल्ट लगाने और टैगिंग की कार्यवाही की जा रही है। इनका रजिस्ट्रेशन करके वैक्सिनेशन की कार्यवाही भी की जा रही है। कलेक्टर नरेंद्र दुग्गा ने लोगों से व्यवहार परिवर्तन की अपील करते हुए रोका छेका अभियान में सहयोग करने और पशुपालन विभाग को घुमंतू मवेशियों के गले में रेडियम बेल्ट लगाए जाने में सहयोग करने की बात कही। रेडियम बेल्ट और टैग लग जाने से गाड़ियों से होने वाले रात के समय होने वाली रोड दुर्घटना में कमी आयेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवारा पशुओं को मुख्य मार्ग से हटाने संबंधित ग्राम पंचायत पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

सोलर सिंचाई पम्पों से खेतों में छाई हरियाली

मरुधर विशेष, करन सोनी

कोरिया/सौर सुजला योजना से आज जिले के दुर्गम क्षेत्रों तक भी किसानों के खेतों में फसल लहलहा रही है। जिले में छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) विभाग द्वारा प्राप्त सोलर पम्पों से सिंचाई आसान हुई है। विकासखण्ड बैकुंठपुर के ग्राम कुड़ेली के किसान सुखराम प्रजापति बताते हैं कि उनके पास लगभग 5 एकड़ कृषि योग्य भूमि है, पहले वे सीजन में गेहूं की फसल लगाते थे लेकिन नल तथा वर्षाजल के माध्यम से पर्याप्त सिंचाई नहीं हो पाती थी, जब से उनके खेत में 3 एचपी का सोलर पम्प लगा है तब से पूरे वर्ष खेतों में हरियाली रहती है, उन्होंने बताया की पंप लगने के बाद उनकी आमदनी 60000 से अधिक हो गई है जिससे वे बहुत खुश हैं। इसी तरह 5 एकड़ में धान तथा सब्जी की खेती कर रहे हैं। ग्राम केसगवा के मोहर लाल बताते हैं कि सोलर पम्प लगने से पहले खेतों में केवल धान ही लगा पाते थे, सोलर पंप लगने के बाद अच्छी खेती से आमदनी भी अच्छी हो रही है।

शहडोल कोतवाली थाना क्षेत्र का मामला: छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ से अपहरणकर्ता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मरुधर विशेष, करन सोनी

एमसीबी/शहडोल जिले में जमीनी विवाद के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। जिसे देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि, जिम्मेदार प्रशासनिक अमला इन मामलों को लेकर रोकथाम/निवारण के लिए गंभीरता नहीं दिखा रहा है।परिणामस्वरूप जमीनी विवाद के छोटे-मोटे मसले, बड़ा स्वरूप लेते हुए विवाद में परिवर्तित होकर अपराध के बढ़ते आंकड़ों में भी तब्दील हो रहे हैं। जिले के विभिन्न थानों में दर्ज अपराधों अगर नजर डाली जाए, तो कई ऐसे सैकड़ों मामले थानों में दर्ज हैं। हाल ही में एक ऐसा ताजा मामला संभागीय मुख्यालय के कोतवाली थाने से निकलकर सामने आया है। जहां जमीनी विवाद के चलते एक अधेड़ व्यक्ति अपहरणकर्ता बन बैठा।दरसअसल, मामला कोतवाली थाना क्षेत्र वार्ड क्रंमाक- 7 का है। जहां निवासरत एक रिटायर्ड कर्मी के पुत्र को उसके स्कूल से मूलचंद शुक्ला उर्फ बाबा, उम्र लगभग 54 वर्ष, नामक व्यक्ति ने अगवा कर लिया। बताया गया है कि, आरोपी व्यक्ति अपहृत 5 वर्षीय अभिनव मिश्रा का दूर का रिष्तेदार है। आरोपी ने बीते शुक्रवार के लगभग 12 बजे (छुट्टी होने पर) उसे अगवा करके अपने साथ छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ ले गया। बच्चे के घर नहीं पहुंचने पर परिजन परेशान हो उठे। जिसके बाद वह स्कूल पहुंचे। जहां लगे सीसीटीवी कैमरे में उक्त अपहरणकर्ता बच्चे को ले जाते दिखा और उसकी पहचान की गई। आनन फानन में परिजन भाग कर कोतवाली पहुंचे। जहां उन्होंने बच्चे के अपहृत हो जाने की शिकायत दर्ज कराई।शिकायत पर पुलिस ने संबधित आरोपी के विरूद्ध मामला दर्ज किया और तत्काल बच्चे की तलाश में जुट गई। कोतवाली थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह परिहार सहित एसआई राकेश बागरी और एएसआई रजनीश तिवारी की एक टीम बनी। जो साइबर सेल प्रभारी अमित दीक्षित से मिले जानकारी मुताबिक मनेन्द्रगढ़ के उस लोकेषन तक पहुंची, जहां आरोपी ने बच्चे को अपने कब्जे में रखा था। अपहृत बच्चे को दस्तयाब करते हुए टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया और दोनों को लेकर शहडोल वापस आई। शनिवार की सुबह बच्चे को पुलिस ने परिजनों के हवाले करते हुए, अपहरणकर्ता के विरूद्ध धारा 363 के तहत मामला दर्ज किया और शाम को न्यायालय में पेश किया।

11 वीं की छात्रा से गैंगरेप, अश्लील वीडियो बनाया

मरुधर विशेष/ रमाकान्त शर्मा

बानसूर - 11वीं कक्षा की छात्रा को बहला फुसलाकर दो नाबालिग लड़के अपने साथ ले गए और नशीला ज्यूस पिलाकर गैंगरेप किया। इस दौरान छात्रा का अश्लील वीडियो भी बनाया। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देकर दोस्त के कमरे पर ले जाकर फिर गैंगरेप किया।मामला जिले के बानसूर थाना इलाके का है। घटना 27 जुलाई को हुई थी। आरोपी दूसरे दिन 28 जुलाई की रात 8:00 बजे लड़की को कोटपुतली छोड़कर भाग गए। 29 जुलाई शनिवार को परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है नाबालिग छात्रा की ओर से बानसूर थाने में गैंगरेप ब्लैकमेल करने और धमकी देने का मामला दर्ज कराया गया है। मामले की जांच डीएसपी सुनील जाखड़ कर रहे हैं। दोनों लड़कों की उम्र भी 16 से 18 के बीच बताई जा रही है। सोमवार को स्कूल खुलने पर आरोपियों के जन्मतिथि से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जाएगी। आरोपी छात्रा के गांव की ही रहने वाले हैं।बानसूर थाना प्रभारी हेमराज सराधना ने बताया कि दर्ज रिपोर्ट के अनुसार 27 जुलाई को थाना क्षेत्र के एक निजी स्कूल में 11 वीं में पढ़ने वाली छात्रा उम्र 16 साल दोपहर 1.30 बजे स्कूल से लौट रही थी इस दौरान रास्ते में गांव के ही दो परिचित लड़के बाइक पर मिले।लड़कों ने छात्रा को जबरन बाइक पर बैठा लिया और 22 किमी दूर नारायणपुर कस्बे की ओर ले गए। नारायणपुर में आरोपी लड़की को एक कमरे पर ले गए और ज्यूस पिलाया। ज्यूस पीने के बाद छात्रा बेहोश हो गई।दोनों लड़कों ने छात्रा के साथ बारी-बारी से रेप किया और वारदात का वीडियो बना लिया। गैंगरेप के बाद आरोपी छात्रा को बाइक पर बैठा कर बानसूर ले आए और छात्रा को घर जाकर कपड़े बदल कर आने को कहा। लड़कों ने कहा कि वह नहीं आई तो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा।धमकी से डरकर छात्रा अपने घर गई और कपड़े बदल कर लौट आई। घर से दूर दोनों लड़के छात्रा के लौटने का इंतजार कर रहे थे। छात्रा के आने के बाद वे उसे बाइक पर बैठा कर करीब 40 किलोमीटर दूर पावटा कस्बा गए।कुछ देर पावटा में रुकने के बाद वे छात्रा को लेकर चंदवाजी, जयपुर पहुंच गए। दोनों आरोपी लड़की को एक दोस्त के कमरे पर ले गए और वहां भी रेप किया। दूसरे दिन 28 जुलाई को वे छात्रा को लेकर रात 8 बजे के करीब कोटपूतली पहुंचे और हाइवे पर चौकी बस स्टैंड के पास छोड़कर भाग गए।लड़की ने फोन पर अपने परिजनों को सूचना दी तो घरवाले कोटपुतली पहुंचे। छात्रा ने परिजनों को आपबीती सुनाई। छात्रा को लेकर परिजन बानसूर लौटे और दोनों युवकों के खिलाफ किडनैपिंग, गैंगरेप, अश्लील वीडियो बनाने, वीडियो वायरल करने की धमकी देने का मामला दर्ज कराया।

उत्तर प्रदेश जनपद अमेठी मुंशीगंज व स्वाट/सर्विलांस टीम अमेठी द्वारा कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी से वाहन खरीदने वाले 02 नफर अभियुक्त गिरफ्तार, 03 मोटरसाइकिल व 01 ट्रैक्टर बरामद

मरुधर विशेष/ संवाददाता
शिवकुमार मौर्य

जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 30.07.2023 को निरीक्षक पारसनाथ यादव थाना मुंशीगंज मय हमराही, निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार वर्मा प्रभारी स्वाट टीम व उ0नि0 उमेश कुमार मिश्रा प्रभारी सर्विलांस टीम मय हमराही जनपद अमेठी द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मोटरसाइकिल सं0 वढ36ढ7634 ळश्र रेडान पर सवार अभियुक्त वीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ अंकित सिंह पुत्र राज कुमार सिंह निवासीगण ग्राम सुरुवावा थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 28 वर्ष व ळश्र रेडान मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट पर सवार अभियुक्त रूपक सिंह पुत्र रामकुमार सिंह निवासी ग्राम सुरुवावा

थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 35 वर्ष को सनहा मोड़ के पास से समय करीब 09:30 बजे दिन में पुलिस हिरासत में लिया गया । मोटरसाइकिलों के कागज मांगने पर दिखा ना सके । पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने बताया कि हम दोनों लोग अपने दो अन्य साथी सचिन यादव पुत्र रामकुमार यादव निवासी ग्राम कन्हई का पुरवा मजरे नोहरेपुर थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी व इन्द्रजीत सिंह पुत्र अमरबहादुर सिंह निवासी ग्राम नोहरेपुर थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी के साथ मिलकर दूसरे के नाम पर कूटरचित आधारकार्ड व आईडी से बैंकों में खाता खुलवाकर एजेंसी से फर्जी आईडी पर एक दूसरे की फोटो लगाकर गाड़ियों का फाइनेंस कराकर खरीदते हैं तथा कूटरचित कागज तैयार करके लोगों को यह बताते हैं कि मिलिट्री कैन्टीन से वाहनों को खरीदते हैं और कुछ दिन चलाकर सस्ते दामों में बेंच देते हैं तथा फर्जी एन0ओ0सी0 तैयार कर ट्रांसफर भी करा देते हैं । यह दोनो मोटरसाइकिल जिन पर हमलोग सवार थे, इसी प्रकार कूटरचित दस्तावेजों से खरीदी हैं । अभियुक्त रूपक सिंह के कब्जे से बरामद मोटर साइकिल की डिग्गी से विकास कुमार के नाम से कूटरचित दस्तावेज मिले जिन पर वीरेन्द्र सिंह उपरोक्त का फोटो लगा हुआ है । अभियुक्त रूपक सिंह ने बताया 01 अन्य मोटरसाइकिल सं0 वढ36ढ6912 ळश्र छ 100 इन्द्रजीत सिंह के घर पर रखी है व ट्रैक्टर महिन्द्रा वश्ड मेरे घर पर खड़ा हुआ जिन्हे भी हम लोगों ने इसी प्रकार कूटरचित दस्तावेज से फाइनेंस कराकर खरीदा है । उक्त दोनों वाहनों को अभियुक्त के बताये गये स्थानों से बरामद किया गया । गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना मुंशीगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

खण्ड विकास अधिकारी तिलोई मेरी हत्या करवा सकते हैं - शशी सोनी

मरुधर विशेष/संवाददाता
शिवकुमार मौर्य

> जनपद अमेठी के तहसील तिलोई के थाना मोहनगंज के ग्राम बारकोट लालगंज की निवासिनी शशी सोनी ने खण्ड विकास अधिकारी तिलोई के विरूद्ध उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर अपनी तथा परिवार की हत्या करने का आरोप लगाया है। श्रीमती सोनी ने बताया कि उनके फर्जी हस्ताक्षर बनाकर बैंक से पैसे निकाल लिये गये, वह फर्जी हस्ताक्षर बनाने की शिकायत कई बार कर चुकी हैं, किन्तु खण्ड विकास अधिकारी के दबाव के कारण कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।

रायबरेली :जनपद अमेठी के तहसील तिलोई के थाना मोहनगंज के ग्राम बारकोट लालगंज की निवासिनी शशी सोनी ने खण्ड विकास अधिकारी तिलोई के विरूद्ध उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर अपनी तथा परिवार की हत्या करने का आरोप लगाया है। श्रीमती सोनी ने बताया कि उनके फर्जी हस्ताक्षर बनाकर बैंक से पैसे निकाल लिये गये, वह फर्जी हस्ताक्षर बनाने की शिकायत कई बार कर चुकी हैं, किन्तु खण्ड विकास अधिकारी के दबाव के कारण कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। श्रीमती सोनी ने दिये गये पत्र में लिखा है कि - कृपया आप द्वारा प्रेषित पत्र पत्रांक एवं दिनांक रहित प्रार्थिनी को जरिये रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से प्राप्त हुआ, अत्यन्त खेद है कि आप महोदय एक जिम्मेदार राजपत्रित अधिकारी होने के बावजूद भी जनसूचना अधिकार अधिनियम में निहित प्राविधानों का उल्लंघन करते हुए आधी-अधूरी सूचनायें उपलब्ध कराकर स्वयं का एवं प्रार्थिनी का कीमती समय का दुरूप्रयोग कर रहे हैं। महोदय, प्रार्थिनी अन्तिम बार आपको पत्र देकर यह मांग कर रही है कि प्रार्थिनी द्वारा प्रेषित रजिस्टर्ड पत्र दिनांक 18.05.2023 का संज्ञान लेते हुए पत्र में उल्लिखित समस्त तथ्यों को सम्यक परिशीलन करते हुए जानकारी प्रदान करना चाहें। प्रार्थिनी ने भ्रष्टाचार में लिप्त आपके अधीनस्थ कर्मचारी श्री रजनीश भास्कर के विरूद्ध प्रार्थना-पत्र दिया था, इनके विरूद्ध किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करने से स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि इनके द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार में आपकी मौन स्वीकृति है। प्रार्थिनी/पीड़िता अनुरोध करती है कि दिनांक 18.05.2023 के पत्र का सम्यक परिशीलन कर वांछित सूचनायें समयावधि के अन्तर्गत उपलब्ध करायें। अन्यथा प्रार्थिनी भ्रष्टाचार के विरूद्ध जंग लड़ने हेतु मान्नीय सक्षम न्यायालय की शरण में जाने हेतु बाध्य होगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी व्यक्तिगत एवं व्यक्तिगत रूप से आप श्रीमान् जी की ही होगी। श्रीमती शशी सोनी ने यह भी स्पष्ट रूप से इंगित किया है कि प्रार्थिनी के जान-माल की सुरक्षा किये जाने हेतु सम्बन्धित को उचित दिशा-निर्देश पारित करने की कृपा करें, क्योंकि प्रार्थिनी खण्ड विकास अधिकारी तिलोई, एवं ग्राम विकास अधिकारी श्री रजनीश भास्कर, ग्राम प्रधान ग्राम सभा-बारकोट जयराम, प्रधान प्रतिनिधि मो0 रफीक उर्फ मुन्ना, सिरातुल निशां पत्नी मो0 रशीद गुड्डू के द्वारा संयुक्त रूप से किये जा रहे राजकीय धन के भ्रष्टाचार के बंदरबाट के खिलाफ जंग लड़ रही है, विपक्षीगण अपने को बचाने हेतु प्रार्थिनी व उसके परिजनों की हत्या तक कर सकते हैं, यदि प्रार्थिनी अथवा उसके किसी भी पारिवारिक सदस्य के साथ किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना घटित होती है तो उसके लिए उक्त विपक्षीगणों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माना जावे।पीड़िता श्रीमती शशी सोनी ने उ0प्र0 के मुख्यमन्त्री से मांग किया है कि उसके साथ न्याय किया जाए अन्यथा उसे इच्छा मृत्यु का वरदान दिया जाए।

कोरिया भाजपा महिला मोर्चा ने सीएम और आबकारी मंत्री का फूंका पुतला...

मरुधर विशेष, करन सोनी

कोरिया / जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने कोटा के विधायक एवं आबकारी मंत्री कवासी लखमा के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सुकमा जिले में इस प्रकार की एक महीने में नाबालिक बच्ची पर दुष्कर्म का यह दूसरा मामला है।कोरिया भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू और प्रदेश के मुख्यमंत्री पर हल्ला बोलते हुए कहा की सुकमा सहित पूरे छत्तीसगढ़ राज्य की कानून व्यवस्था बुरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है।आयोजन स्थल से कोरिया भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े ने कहा की पोटा केबिन के अंदर भी बच्चियां सुरक्षित नहीं है।पोटा केबिन अधीक्षक सहित अन्य आश्रमों छात्रावासो में अपात्र लोगों की नियुक्तियां की जा रही है।मोटा कमीशन की एवज में कांग्रेस सरकार कवासी लखमा के इशारे पर पूरी तरह से खुली छूट दे रही है।ऐसी घटनाएं

इसी का परिणाम है।प्रदर्शन में शामिल कोरिया जिला पंचायत सदस्य व महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े ने कहा की नाबालिक बच्चियों के साथ दरिंदगी की घटना के बाद गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और मंत्री लखमा अपने पद पर रहने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं।और घटना पर अपनी प्रतिक्रिया देने की बजाय चुप्पी साध कर बैठे हैं।इसी कड़ी में कोरिया जिला पंचायत सदस्य पटना क्षेत्र व भाजपा नेत्री सुनीता कुर्रे ने कहा की मणिपुर की घटना पर राजनीति करने वाले अब आदिवासी छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म के मामले पर चुप क्यों है। घटना के दोषियों को फांसी की सजा दी जाए। शनिवार रात सुकमा जिले के एराबोर के पोटा केबिन में आदिवासी नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी कोरिया और महिला मोर्चा के नेतृत्व में बैकुंठपुर नगर पालिका कांप्लेक्स परिसर में मुख्यमंत्री व मंत्री कवासी लखमा के इस्तीफे की मांग करते हुए पुतला दहन किया गया है।प्रदर्शन में मुख्य रूप से अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल,उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े,जिला पंचायत सदस्य एवम महिला मोर्चा उपाध्यक्ष वंदना विजय राजवाड़े ,सुनीता कुर्रे जिला पंचायत सदस्य पटना ,वरिष्ठ भाजपा नेत्री रामावती राजवाडे ,जिला मंत्री गीता गिरि,महामंत्री संगीता गुप्ता , बबीता ग्वाले उपाध्यक्ष ,भाजयुमो जिला अध्यक्ष हितेश प्रताप सिंह, हर्षल गुप्ता महामंत्री,अंजय तिवारी, अभय दुबे,शक्तिमान साहू ,रामसुंदर महामंत्री सलका मंडल , मयंक राठौर साहू महिला मोर्चा सोशल मीडिया प्रभारी वर्षा साहू मीडिया प्रभारी कविता यादव, कोषाध्यक्ष, बेगमती ,मंडल सलका अध्यक्ष रीता यादव, मंडल पटना ममता कुशवाहा, मंडलअध्यक्ष चर्चा उर्मिला सिंह, महामंत्री प्रियंका सिंह, मंडल उपाध्यक्ष दीपा विश्वकर्मा, नामंती प्रजापति, राजकुमारी तोता रानी इत्यादि सराहनीय भूमिका रही।

स्वच्छता के प्रति सजग रहना है आवश्यक, घर-परिवार, समाज को स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी-उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव

मरुधर विशेष, करन सोनी

सरगुजा/उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कौशल विकास योजना अंतर्गत कंप्यूटर लैब एवं डिजिटल बोर्ड का उद्घाटन जन शिक्षण संस्थान में किया। इसके साथ ही कौशल विकास उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के मार्गदर्शन में आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा अभियान कार्यक्रम में भी शामिल हुए। इस दौरान श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष शफी अहमद, जन शिक्षण संस्थान डॉ एस ए नैयर, ब्लड बैंक प्रभारी विकास पांडे, जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश गुप्ता, निदेशक जन शिक्षण संस्थान एम सिद्दीकी, स्थानीय जनप्रतिनिधी सहित संस्थान के सदस्य, प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।उपमुख्यमंत्री श्री सिंहदेव ने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छता के प्रति सजग रहना अत्यंत आवश्यक है।

स्वच्छता व्यापक दृष्टिकोण है, अपने घर-परिवार, समाज को स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है। कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर जो उपलब्धि हासिल की है, उसे स्तर को बनाये रखना, हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने इस दौरान स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि कौशल विकास की गतिविधियों से युवा आर्थिक रुप से सशक्त होने के साथ-साथ समाज में बेहतर स्थान प्राप्त करेंगे। श्री सिंहदेव ने विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।जन शिक्षण संस्थान के निदेशक ने बताया कि 15 जुलाई से 31 जुलाई तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। चेयरमैन डॉ नैयर ने भी इस दौरान संस्थान के बारे में जानकारी दी। स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी लोगों को उत्कृष्ट सम्मान एवं सर्टिफिकेट दिया गया। साथ ही रक्तदान कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी लोगों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

कविता_ प्रदीप बगोतिया

गूंगे बहरों से अपना दुखड़ा रो रहा हूं
हां मैं तृतीय श्रेणी शिक्षक बोल रहा हूं
हां-हां मैं तृतीय श्रेणी शिक्षक बोल रहा हूं
1.चाहे सुनकर अनसुना सा कर दो दर्द मेरा
पर न थका हूं मैं, न ही थकेगा पराक्रम मेरा
अब हर गली - मौहल्ले में कर ये शोर रहा हूं
हां-हां मैं तृतीय श्रेणी शिक्षक बोल रहा हूं.....
2.घर-आंगन की सौंधी खुशबू, हर बार हमें बुलाती है
देख -देख तबादला सूचियां,आंखें मेरी भी भर आती हैं
पर मैं तो अभागा सा उजड़ी दूनिया देख रहा हूं
हां-हां मैं तृतीय श्रेणी शिक्षक बोल रहा हूं.....
3.बस इम्तिहान अब हुकूमत के हर खेल का होगा
सब मिल आगे बढ़ो सिमट के अंधकार भौर भी होगा
हर चौराहे पर चीख-चीख अब बोल रहा हूं
हां-हां मैं तृतीय श्रेणी शिक्षक बोल रहा हूं..
4.तलाश में दर-दर भटकता रहा पर मंजिल न मिली
क्या मेरे ही हिस्से पॉलिसी की बनने की दरकरार रही
हर एक बहानों को तराजू में तौल रहा हूं
हां-हां मैं तृतीय श्रेणी शिक्षक बोल रहा हूं.....
5.खता क्या थी मेरी बतला जा रे सत्ता के मालिक
मेरे ही क्यों कर्म फुटे भाग्य में कालिख ही कालिख
पर ध्यान रहे हर ढ़ाणी बूथ पे मैं ही डोल रहा हूं
हां -हां मैं तृतीय श्रेणी शिक्षक बोल रहा हूं.....
6सपनो की नैया को डुबो तूने खुब खेल दिखाया है
तिनका-तिनका तार-तार कर मेरा मंचों पर इतराता है
अब मैं तो टूटकर कर दिसंबर का इंतजार रहा हूं
हां-हां मैं तृतीय श्रेणी शिक्षक बोल रहा हूं.....
7.चाह नहीं मुझे किसी से ,रहमत बरसाये मुझ पर
अब वो समय दूर नहीं पछताओगे अपने किए पर
अब केवल प्रतिशोध की ज्वाला में धधक रहा हूं
हां-हां मैं तृतीय श्रेणी शिक्षक बोल रहा हूं.....

निशुल्क नेत्र जांच एवम ऑपरेशन शिविर

मरुधर विशेष/ जिला रिपोर्टर हवासिंह चौधरी

मुंडावर। विधानसभा में भाजपा नेता इन्द्र यादव समाजसेवी के नेतृत्व में विशाल नेत्र जांच एवम ऑपरेशन शिविर का आयोजन इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय श्योपुर में मिश्री देवी आई हॉस्पिटल बहरोड़ - नीमराना के सयुक्त तत्त्वाधान में आयोजित किया गया।शिविर में निशुल्क नेत्र जांच, निशुल्क ऑपरेशन,निशुल्क दवाइया की सुविधा प्रदान की गई शिविर में सैकड़ों लोगों ने सुविधा का लाभ उठाया।समाजसेवी इन्द्र यादव ने फीता काटकर शिविर का संचालन किया। इस अवसर पर कॉलेज संचालक डॉ डी आर शर्मा,सरपंच उदयसिंह,सुबेसिंह, कैप्टन रामनिवास, कैप्टन हजारीलाल गुर्जर, धर्मेन्द्र यादव, जयप्रकाश, सुबेसिंह यादव,जयपाल,संजय, घासीराम,संदीप,सुमित, मौजूद रहे

गौ भैरव उपासक ग्वाला संत गोपालानंद सरस्वती जी गौ कथा में पधारेंगे

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा भिवाड़ी परम पूज्य गौ भैरव उपासक ग्वाला संत गोपालानंद सरस्वती जी महाराज 1 अगस्त को भिवाड़ी गौ कथा में पधारेंगे भिवाड़ी में चल रही गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित हो परम पूज्य गोपाल सरस्वती जी महाराज के मुखारविंद से गौ माता की महिमा का वाचन भी किया जाएगा 30 जुलाई से 5 अगस्त तक निष्ठा गोपाल दीदी द्वारा गोकृपा महोत्सव का कार्यक्रम चल रहा है मूल सिंह शेखावत ने बताया कार्यक्रम के अंदर भव्य कलश यात्रा भी निकाली गई कार्यक्रम स्थल महाराजा सूरजमल पार्क गांधी कुटीर भिवाड़ी के अंदर यह गौ महिमा की कथा का कार्यक्रम चल रहा है इसके अंदर दूरदराज के भक्त भी गौ माता की महिमा को सुनने पधार रहे हैं।

पत्नी को फंदे से उतारकर ले गया क्लिनिक तो डॉक्टर ने निजी अस्पताल में करा दिया भर्ती, 3 दिन का बिल चुकाया 60 हजार, नहीं बची जान

मरुधर विशेष, करन सोनी

सरगुजा/सप्ताहभर पूर्व एक महिला पति से क्षुब्ध होकर फांसी लगा ली थी। पति ने उसे फंदे से उतारकर अंबिकापुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। निजी अस्पताल का बिल पटाने के लिए पति को 2 एकड़ में धान लगी जमीन भी गिरवी रखनी पड़ी। गिरवी रखी जमीन से मिले पैसों से उसने अस्पताल का बिल पटाया। इसके बाद भी पत्नी की जान नहीं बच सकी। इधर रुपए खत्म होने पर निजी अस्पताल द्वारा मात्र 3 दिन इलाज करने के बाद उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। अंततः महिला की मौत हो गई।प्रमिला नगेशिया पति मोटू राम नगेशिया 35 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कुबेरपुर की रहने वाली थी। उसने 22 जुलाई को पति से किसी बात पर गुस्सा होकर घर में फांसी लगा ली थी। पति ने उसे फंदे से उतारा और इलाज के लिए करजी स्थित एक निजी क्लिनिक में ले गया।यहां के डॉक्टर ने महिला की स्थिति को गंभीर देखते उसे अपने वाहन से शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। भर्ती कराते ही निजी अस्पताल का बिल शुरू हो गया। निजी अस्पताल प्रबंधन द्वारा सिर्फ तीन दिन के इलाज में 43 हजार रुपए आईसीयू चार्ज के अलावा इलाज का खर्च 60 हजार रुपए मरीज के परिजन से वसूल लिए।

विधानसभा निर्वाचन 2023 मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 02 अगस्त को

मरुधर विशेष, करन सोनी

कोरिया/कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनय कुमार लंगेह ने आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 कि तैयारियों के तहत फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अहर्ता तिथि 01अक्टूबर 2023 के संदर्भ में तिथियां निर्धारित की गई हैं। एकीकृत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन दिनांक 02 अगस्त को किया जाना है। दावा आपत्ति प्राप्त करने की तिथि 02 अगस्त से 31 अगस्त तक निर्धारित की गई है तथा मतदान केंद्र स्तर पर विशेष शिविरों के आयोजन हेतु 12, 13, 19 एवं 20 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है। उन्होनें बताया कि दिनांक 02 अगस्त 2023 को ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष ग्रामसभा का आयोजन कर मतदाता सूची का संबंधित बूथ लेवल अधिकारी द्वारा बूथ लेवल एवं ग्राम स्तर पर निर्वाचक नामावली के सभी संबंधित भागों का वाचन किया जायेगानगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर आने वाले सर्व संबंधितों भागों की नामावली का वाचन संबंधित वार्ड/मतदान केन्द्रों पर किया जाएगा, विधानसभा स्तर पर हायर सेकेण्ड्री स्कूल/महाविद्यालयों में विशेष कार्यकम का आयोजन कर, नवीन मतदाताओं के नाम मतदाता सुची में जोड़े जाने एवं पुनारीक्षण संबंधी प्रचार-प्रसार ग्राम पंचायत के माध्यम से किया जायेगा, प्रारंभिक प्रकाशन दिनांक 02 अगस्त 2023 हेतु निम्नांकित गतिविधियों को बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर किया जाएगा।

Marudharhind24 news Private Limited के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित, एवं जीवन सिंह पुरा शामदा अलवर से प्रकाशित। मो.99281-68697, 7014373732, 90797 24256